JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
केन्द्र व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI Registration No. 3773 / 58
e-mail :dainikjanmarg@gmail.com
Website:- www.janmarg.com

# जनमार्ग

निष्पक्ष ◆ निर्भिक ◆ सांध्य दैनिक

वर्ष : 66 ● अंक: 74 ● श्रीगंगानगर, सोमवार, 03.02.2025, मो. 94140-87692, 77421-86692, 0154-2970692 ● मूल्य: 2 रुपये ● पृष्ठ :8

# राजस्थान विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी बिल पेश

» लव-जिहाद, जबरन धर्म बदलवाने पर 10 साल की सजा » किरोड़ी की गैरमौजूदगी पर भड़का विपक्ष

जनमार्ग न्यूज

**जयपुर।** राजस्थान विधानसभा में आज हेल्थ मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने धर्मांतरण विरोधी बिल पेश किया। इस बिल को बजट सत्र में ही बहस के बाद पारित करवाया जाएगा। विधेयक के पारित होने की तिथि बाद में निर्धारित की जाएगी। बिल के प्रावधानों के अनुसार, खुद की मर्जी से धर्म परिवर्तन करने पर भी कलेक्टर को सूचना देनी होगी। मर्जी से धर्म बदलने पर 60 दिन पहले कलेक्टर को सूचना देकर धर्म परिवर्तन कर सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया अपनाना जरूरी होगा। इस बिल में लव जिहाद के खिलाफ भी प्रावधान है। बिल में लव जिहाद को परिभाषित किया है। अगर कोई धर्म बदलवाने के लिए शादी करता है, वह लव जिहाद माना जाएगा। अगर यह साबित होता है कि शादी का मकसद लव जिहाद है तो ऐसी शादी को रद्द करने का प्रावधान होगा। अगर कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कराने के उद्देश्य से शादी करता है। फैमिली कोर्ट ऐसे विवाह को अमान्य घोषित कर सकता है। इससे पहले कृषि मंत्री किरोड़ीलाल की गैरमौजूदगी और महंगे कोयले को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। विपक्षी विधायकों की टोकाटाकी से स्पीकर भी नाराज हो गए और उनके दखल से मामला शांत हुआ। कांग्रेस विधायक चेतन पटेल के पीपलदा में फसल खराबे से जुड़े सवाल का जवाब ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने दिया, क्योंकि कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा सदन में नहीं थे। विपक्ष ने इस पर आपत्ति जताई। दूसरा विवाद पावर प्लांट्स के लिए महंगे कोयले की खरीद को लेकर हुआ। उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने अडाणी को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कब तक अडाणी को बचाओगे। ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने पलटवार करते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के समय छत्तीसगढ़ से तालमेल न होने के कारण पारसा कोल माइंस बंद हुई थी। जिससे 40 प्रतिशत अधिक कीमत पर कोयला खरीदना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान सरकार में कोई घाटा नहीं हो रहा है और कांग्रेस शासन का पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक करने की चुनौती दी। कांग्रेस विधायक चेतन पटेल के पीपलदा में अतिवृष्टि से प्रभावित फसल खराबे से जुड़े सवाल पर नोकझोंक हुई। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा की अनुपस्थिति में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी के जवाब पर विपक्ष ने आपत्ति जताई। गोविंद डोटासरा ने किरोड़ी की गैरमौजूदगी पर तंज कसा। जिस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने नाराजगी जताते हुए टोकाटाकी पर रोक लगाई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी मंत्री के जवाब को अधूरा बताया। विधानसभा में शून्यकाल की कार्यवाही के बाद धर्मांतरण विरोधी बिल 2025 को सदन में रखा जाएगा। इस बिल में किसी को लालच देकर और डरा धमकाकर धर्म परिवर्तन करवाने पर 10 साल तक की सजा का प्रावधान किया है।

## आखिरी अमृत स्नान में 1.25 करोड़ ने लगाई डुबकी

जनमार्ग न्यूज

**प्रयागराज।** वसंत पंचमी पर महाकुंभ का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान जारी है। हाथों में तलवार-गदा, डमरू और शंख। शरीर पर भभूत। आंखों पर काला चश्मा। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंच रहे हैं। सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संत संगम पहुंचे। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने अमृत स्नान किया। अब तक 13 में से 10 अखाड़े स्नान कर चुके हैं। संतों का आशीर्वाद लेने के लिए लाखों श्रद्धालु संगम पर हैं। लोग नागा साधुओं की चरण रज माथे पर लगा रहे हैं। 20 से ज्यादा देशों के लोग भी अमृत स्नान देखने के लिए संगम पहुंचे हैं। हेलिकॉप्टर से संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाए गए। संगम जाने वाले सभी रास्तों पर 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला है। प्रयागराज जंक्शन से 8 से 10 किमी पैदल चलकर लोग संगम पहुंच रहे हैं।

## बजट सत्र में महाकुंभ भगदड़ पर विपक्ष का वॉकआउट

● मौतों का सही आंकड़ा जारी करने की मांग

जनमार्ग न्यूज

**नई दिल्ली।** बजट सेशन के तीसरे दिन सोमवार को विपक्ष ने लोकसभा में महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों को लेकर जमकर हंगामा किया। विपक्षी सांसदों ने स्पीकर से कहा कि सरकार भगदड़ से हुई मौतों का सही आंकड़ा जारी करे। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि राष्ट्रपति जी ने अपनी स्पीच में महाकुंभ का भी जिक्र किया है। अभी प्रश्नकाल है, इसलिए इस समय दूसरे किसी भी विषय पर चर्चा नहीं हो सकती। अपने सवाल रखें। इसके बाद भी विपक्षी सांसद हंगामा कर रहे हैं। वे लगातार नारा लगा रहे हैं- सरकार कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी करे। केंद्र सरकार होश में आओ, होश में आओ। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सांसदों से तल्ख अंदाज में पूछा- आपको जनता ने यहां सवाल पूछने भेजा है कि मेज तोड़ने, अगर मेज तोड़ने भेजा है तो और जोर से मारिए। संसद के दूसरे सदन राज्यसभा में भी महाकुंभ भगदड़ में हुई मौतों पर लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। थोड़ी देर कार्यवाही चलने के बाद राज्यसभा से विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। दरअसल, 29 जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ हुई थी। यूपी सरकार ने 17 घंटे बाद 30 मौतों और 60 लोगों के घायल होने की बात मानी थी। विपक्ष ने इसी पर यूपी समेत केंद्र सरकार को घेरा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लोकसभा में आज बजट पर बहस होगी। इसकी शुरुआत लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी करेंगे। वे दोपहर 2 बजे से अपनी स्पीच देंगे।

सांध्य दैनिक जनमार्ग व प्रात:कालीन जनमार्ग में अपडेट व ताजा खबरों के लिए देखें:-
Website:- www.janmarg.com
Youtube:- Janmarg News

## पुलिस लाइन में किया सूर्य नमस्कार

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** राज्य सरकार की ओर से सूर्य सप्तमी पर सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाइन स्थित महात्मा गांधी स्कूल में आयोजित किया गया। इस दौरान डीईओ एलीमेंट्री गृजेशकांत शर्मा, मुख जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद शर्मा, मुख्य शिक्षा ब्लॉक अधिकारी सुनील भाटिया, सीओ एससी/एसटी विष्णु खत्री, महात्मा गांधी स्कूल पुलिस लाइन की प्रींसिपल रिम्पा छिंपा व एसएमडीसी के सदस्य जगदीश फरमा व स्कूली विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार किया। कार्यक्रम में सुबह हल्की धुंध के बीच विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में पूरे जोश से हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने सूर्य नमस्कार के फायदे सांझा किए।

# जिला प्रमुख उपचुनाव में कांग्रेस के नाजर सिंह ने दाखिल किया नामांकन

● माकपा और बीजेपी ने अभी नहीं उतारा उम्मीदवार

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** जिला श्रीगंगानगर में जिला परिषद श्रीगंगानगर के निर्वाचन क्षेत्र 15 से कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में नाजर सिंह पुत्र गुरदेव सिंह निवासी 86 जीबी ने आज अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जिला कलक्टर श्रीमती मंजू को अपना नामांकन पत्र दाखिल करवाया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र पारीक, लालचंद मिर्जेवाला, साहिल बंगाली सहित अनेक लोग उपस्थित थे। ज्ञात रहे कि जिला परिषद, श्रीगंगानगर के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 15 के सदस्य पद के लिए रिटर्निंग अधिकारी जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीगंगानगर को नियुक्त किया गया है। कुलदीप इंदौरा के सांसद निर्वाचित होने से यह सीट खाली हुई है। आज अपराह्न 03.00 बजे के तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। 14 फरवरी को जिला परिषद सदस्य का चुनाव है और जिला प्रमुख का चुनाव 16 फरवरी को होगा। मौजूदा जिला परिषद में कांग्रेस का बहुमत है। जिला परिषद सदस्य के लिए माकपा और बीजेपी भी उम्मीदवार उतारेगी।

## हिमांशु बिहाणी ने किया क्लास रूम का शिलान्यास

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** पुलिस लाईन स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में सोमवार सुबह विधायक प्रतिनिधि हिमांशु बिहाणी ने विधायक कोटे से बनने वाले एक कमरा मय बरामदे का शिलान्यास किया। हिमांशु बिहाणी ने इस अवसर पर कहा कि विद्यालय की प्रिंसीपल ने स्कूल में एक और कमरे का निर्माण करवाने का आग्रह किया था। इस पर विधायक जयदीप बिहाणी ने विधायक कोटे से दस लाख रुपए मंजूर किए थे। हिमांशु बिहाणी ने कहा कि जरुरत पडने पर और भी राशि स्वीकृत की जा सकती है। प्रिंसिपल रिंपा तलवार ने अतिथि का स्वागत किया।

## जयपुर में महिला ने किया सुसाइड

जनमार्ग न्यूज

**जयपुर।** जयपुर में एक महिला के सुसाइड करने का मामला सामने आया है। वह अपने घर के कमरे में फंदे से लटकी मिली। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने रविवार दोपहर स्स्ब्ह हॉस्पिटल से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। ब्रह्मपुरी थाना पुलिस ने स्नद्धक्र दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्ढ्ढ मोहन लाल गुर्जर ने बताया- मृतका प्रीति कौर (32) पत्नी अर्जुन सिंह तलवार शंकर नगर ब्रह्मपुरी की रहने वाली थी। शनिवार सुबह पति अर्जुन सिंह अपनी काम से चला गया। देर शाम प्रीति ने अपने कमरे में कपड़े का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। पति अर्जुन के घर वापस आने पर काफी आवाज लगाने के बाद भी प्रीति ने गेट नहीं खोला। गेट तोड़कर अंदर जाने पर प्रीति कमरे में फंदे से लटकी मिली।

# सूर्य नमस्कार का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में राजस्थान

● जयपुर में शिक्षामंत्री ने स्टूडेंट्स के साथ किया योग ● स्कूलों में हर दिन होगा सूर्य नमस्कार: शिक्षा मंत्री

जनमार्ग न्यूज

**जयपुर।** राजस्थान की भजनलाल सरकार सूर्य सप्तमी से एक दिन पहले ही वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी कर रही है। सोमवार को प्रदेशभर के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में स्टूडेंट्स, पेरेंट्स और टीचर्स ने एक साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी जयपुर के एसएमएस इन्वेस्टमेंट ग्राउंड में स्टूडेंट के साथ सूर्य नमस्कार किया। मदन दिलावर ने बताया कि इस बार 3 फरवरी के दिन सूर्य सप्तमी से पहले 4 फरवरी को सरकारी अवकाश है। ऐसे में आज सूर्य सप्तमी से एक दिन पहले राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के सभी स्टूडेंट्स, शिक्षक और अभिभावकों ने सूर्य नमस्कार के सामूहिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इसका शिक्षा विभाग द्वारा एनालिसिस किया जा रहा है। दोपहर बाद इसका ऑफिशल डेटा भी हम जारी करने की कोशिश करेंगे। उसके बाद उस डेटा के आधार पर वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए भी अप्लाई किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सिर्फ सूर्य पर ही नहीं बल्कि, पूरे शैक्षणिक सत्र में सूर्य नमस्कार का आयोजन किया जाता है। शिक्षा विभाग द्वारा बाकायदा इसका आदेश जारी किया जा चुका है। इसके तहत स्कूलों में प्रार्थना के समय रोज तीन सूर्य नमस्कार करवाए जाते हैं। स्कूलों में सूर्य नमस्कार करवाए जाने का यह सिलसिला पूरे साल था और आगे भी रहेगा। दरअसल, शिक्षा विभाग द्वारा आज पिछले साल 78,974 स्कूलों में 1.33 करोड़ स्टूडेंट्स द्वारा सूर्य नमस्कार कर बनाए गए वर्ल्ड रिकॉर्ड को ब्रेक करने की कोशिश की जा रही है। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सिर्फ स्टूडेंट और टीचर्स बल्कि, उनके पेरेंट्स को भी सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की थी। शिक्षा विभाग की अपील के बाद प्रदेश भर में बड़ी संख्या में स्टूडेंट शिक्षक के साथ पैरेंट्स भी इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसका आधिकारिक डेटा आज शाम तक शिक्षा विभाग की साइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। दिलावर ने बताया कि आज राज्य के सभी राजकीय और गैर राजकीय शिक्षा संस्थानों में एक साथ एक समय पर सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने 3 बात सूर्य नमस्कार की योग की क्रिया को पूरा किया। ऐसे में अब इस पूरे कार्यक्रम की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी रिपोर्ट आने के बाद शाम तक आयोजन का पूरा डेटा शाला दर्पण और पीएसपी पोर्टल पर अपलोड कर वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए आवेदन किया जाएगा।

## जयपुर सहित 13 जिलों में बारिश का अनुमान

जनमार्ग न्यूज

**जयपुर।** राजस्थान में आज (सोमवार) शाम से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से जयपुर, बीकानेर संभाग के 13 जिलों में बादल छा सकते हैं। कहीं-कहीं देर शाम को हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इस सिस्टम का असर 4 फरवरी को भी देखने को मिल सकता है। 5 फरवरी से प्रदेश में फिर से ठंडक बढ़ेगी और उत्तर से आने वाली ठंडी हवा से तापमान में गिरावट होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो प्रदेश में दिन में सर्दी बढ़ी है। अधिकांश शहरों में कल (रविवार) दिन के अधिकतम तापमान में गिरावट हुई। अलवर में अधिकतम तापमान 4.7 डिग्री गिरकर 21.5 डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ। गंगानगर में कल अधिकतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस, सिरोही में 20, माउंट आबू में 19.4, हनुमानगढ़ में 21.3, सीकर में 22, पिलाानी में 23.3, चूरू में 23.7, फतेहपुर में 23.6 और जैसलमेर-नागौर में 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

**For Rent**

Vacant for Rent, from March 25 onwerd, 20 Vinayak Vihar, 30×60 hall, Ground floor, Commercial Hall , Baba Ramdev Road.
**Please Contact 8005763176**

सम्पादकीय

## युवा बन रहे शिकार

भारत के कई राज्यों खासकर उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा नशे की गिरफ्त में हैं। ज्यादातर ऐसे युवक अपने स्वास्थ्य से तो खिलवाड़ करते ही हैं, वहीं गलत संगत में पड़ कर कभी-कभी अपराध भी कर बैठते हैं। अत्यधिक नशा हर दिन उन्हें मौत के करीब ले जाता है। भारत युवाओं का देश है। मगर जब बुनियाद ही खोखली होने लगे, तो देश के उज्ज्वल भविष्य के सामने एक बड़ी बाधा जरूर खड़ी हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान युवाओं के बीच जिस रफ्तार से मादक पदार्थों के सेवन की लत बड़ी है, वह सभी के लिए चिंता का विषय है। मुंबई विश्वविद्यालय की 2019 की एक अनुसंधान रपट के अनुसार पचहत्तर फीसद युवा इक्कीस साल की उम्र से पहले ही नशे का सेवन कर लेते हैं। वहीं अठारह साल या इससे कम उम्र के बच्चे अलग-अलग नशा करते पाए गए हैं। बीते पांच वर्षों में यह आंकड़ा बड़ा ही है। यह छिपा नहीं है कि किशोरों और युवाओं तक मादक पदार्थ किस तरह और किनके माध्यम से पहुंचते हैं। इसके बावजूद न तो नशे के सौदागरों के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई होती है और न ही युवाओं को नशे के जाल से निकालने के लिए ठोस उपाय किए जाते हैं। यहां तक कि सामाजिक और राजनीतिक संगठन भी आमतौर पर इसे आंदोलन का मुद्दा नहीं बनाते हैं। मगर हिमाचल प्रदेश में कुल्लू के आनी विधानसभा क्षेत्र में नशे के अधिक सेवन से एक युवक की मौत के बाद नागरिकों ने सड़क पर उतर कर और जन आक्रोश रैली निकाल कर पूरे देश के भविष्य के लिए एक सकारात्मक और उम्मीदों से भरा संदेश दिया है। भारत के कई राज्यों खासकर उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा नशे की गिरफ्त में हैं। ज्यादातर ऐसे युवक अपने स्वास्थ्य से तो खिलवाड़ करते ही हैं, वहीं गलत संगत में पड़ कर कभी-कभी अपराध भी कर बैठते हैं। अत्यधिक नशा हर दिन उन्हें मौत के करीब ले जाता है। उन्हें नशीले पदार्थ उपलब्ध न हों, यह सुनिश्चित करने की जवाबदेही किसकी है? कभी-कभी कुछ मात्रा में मादक पदार्थों की जब्ती होने की खबर आती है, लेकिन उसके सौदागर गिरफ्त में क्यों नहीं आते? नतीजा यह है कि मादक पदार्थों को खरीदने और बेचने का धंधा बदस्तूर चलता रहता है। इसलिए कुल्लू में लुहरी बाजार से उठी आवाज को ध्यान से सुनने और इस आक्रोश को समझने का यही वक्त है। इसमें महिलाएं बड़ी भूमिका निभा सकती हैं।

## उम्मीदों की कसौटी पर खरा बजट

देश के विपक्षी दल वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत आम बजट की चाहे जितनी निंदा और आलोचना करें लेकिन देश का आमजन, मध्यम वर्ग, कारपोरेट जगत और शेयर बाजार बजट से उत्साहित और संतुष्ट है। इसलिए कि वित्तमंत्री ने अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार को गतिशील करने के लिए करों का बोझ बढ़ाने और सब्सिडी पर कैंची चलाने से परहेज करते हुए बजट को मानवीय रूप देने की भरपूर कोशिश की है। उन्होंने सभी वर्गों का भरपूर ख्याल रखते हुए विकास का क्रांतिकारी बजट पेश किया है। उन्होंने बजट में सामाजिक और आर्थिक सुधारों के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करते हुए अर्थव्यवस्था को नई उड़ान दी है। माना जा रहा है कि इस बजट से औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों के पहिये नाच उठेंगे और वर्षों से आस लगाए मध्यम वर्ग के लोगों के हाथ में पैसा आएगा। गौर करें तो यह बजट मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, भरपूर निवेश, टिकाऊ विकास और अधिकतम रोजगार की संभावनाओं से लैस है। वित्तमंत्री ने टैक्स दर में व्यापक बदलाव किया है जिससे कि बाजार में नकदी की आमद बढ़ेगी। बजट के आंकड़ों पर नजर डालें तो उधारियों के अलावा कुल प्राप्तियां और कुल व्यय 34.96 लाख करोड़ तथा 50.65 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। राजकोषिय घाटा जीडीपी का 4.4 फीसदी और सकल बाजार उधारियां 14.82 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025-26 में कैपेक्स व्यय 11.21 लाख करोड़ रहने का अनुमान है जो कि जीडीपी का 3.1 फीसदी है। देखें तो खर्च बढ़ने के बावजूद सरकार घाटा को नियंत्रित करने में सफल रही है। चूंकि बजट के प्रावधानों के मुताबिक पूंजीगत खर्च में रिकार्ड इजाफा हुआ है उससे सार्वजनिक ढांचे को मजबूती मिलनी तय है और इससे रोजगार भी सृजित होंगे। इस वित्त वर्ष में विकास दर 6.9 फीसदी रहने का अनुमान है जो कि वैश्विक परिदृश्य के लिहाज से संतोषजनक है। सरकारी खर्च बढ़ाने के कारण यह बजट युवाओं, मध्यम वर्ग, महिलाओं, किसानों और अनुसूचित जनजातियों के हित में होगा। निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ने से अगले एक वर्ष में तकरीबन कई लाख नौकरियां सृजित होंगी और बेरोजगारी का ग्राफ गिरेगा। वित्तमंत्री ने सैलरीड क्लास के लिए 12 लाख तक की आमदनी पर कोई टैक्स न लगाकर मध्यम वर्ग को भारी राहत दी है। मजेदार बात यह कि सैलरीड क्लास के लोगों को 75000 रुपये के स्टैंडर्ड डिडेक्शन का फायदा भी मिलता रहेगा। वित्तमंत्री ने बजट में विकास के प्रथम इंजन के रूप में कृषि को मजबूती देने के लिए राज्यों की भागीदारी से प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना शुरू करने का ऐलान किया है। इससे 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। आर्थिक रूप से पिछड़े राज्य बिहार में मखानों का उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार लाने के लिए बिहार में मखाना बोर्ड स्थापित किया जाएगा। सरकार अंडमान और निकोबार एवं लक्षद्वीप जैसे द्वीपों पर विशेष ध्यान देने के साथ भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र और गहरे समुद्रों से निरंतर मछली पकड़ने को बढ़ावा देने के लिए एक फ्रेमवर्क लाएगी। निःसंदेह इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों के रोजगार में वृद्धि होगी और उनका जीवन सुधरेगा। वित्तमंत्री ने कपास उत्पादन से जुड़े किसानों की बेहतरी के लिए 5 वर्षीय मिशन का ऐलान किया है जिससे किसानों का कल्याण होगा। कृषि कार्य से जुड़े देश के करोड़ों किसानों को कृषि उपक्रम हेतु नकदी की कमी न हो, इसके लिए वित्तमंत्री ने किसान क्रेडिट कार्ड से लिए जाने वाले ऋणों के लिए ऋण की सीमा 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी है। यह किसानों के लिए किसी बरदान से कम नहीं है। फुटवियर, लेदर और खिलौने उत्पादन से जुड़े लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए वित्तमंत्री की पहल सराहनीय है। उन्होंने नवाचार में निवेश को बढ़ावा देने, डीपटेक फंड ऑफ फंडस, प्रौद्योगिकी अनुसंधान फैलोशिप, नेशनल जिओ स्पेटियल मिशन, ज्ञान भारतम मिशन, ग्रामीण क्रेडिट स्कोर और पर्यटन पर विशेष फोकस की है। इसके अलावा उन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा को और मजबूती देने के लिए 2.33 लाख करोड़ रुपये आवंटित की है। यह पिछले बजट से 13567 करोड़ रुपये अधिक है। वित्तमंत्री ने रक्षा क्षेत्र के लिए 6.81 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जो पिछले बजट से तकरीबन 9 फीसदी ज्यादा है। इसी तरह शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र को बेहतर बनाने के लिए बजट में व्यापक इजाफा किया है। कुल मिलाकर वित्तमंत्री का बजट अर्थव्यवस्था को गतिशील और भारत राष्ट्र को समृद्ध बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

# दिल्ली चुनाव में कांटे की टक्कर

दिल्ली विधानसभा चुनाव पूरी तरह मुफ्त रेवड़ियों के वादों पर लड़ा जा रहा है। दस साल से दिल्ली की सत्ता पर काबिज आप इस बार भी मुफ्त रेवड़ियों के सहारे मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही है तो रेवड़ी-राजनीति को अर्थव्यवस्था के लिए घातक बताने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा भी रेवड़ियां बांटने की स्पर्धा में किसी से पीछे नहीं रहना चाहती। कभी लगातार 15 साल दिल्ली में सत्तारूढ़ रही, पर पिछले दो विधानसभा चुनावों में खाता तक खोलने में नाकाम कांग्रेस की भी सारी उम्मीदें मुफ्त रेवड़ियों के वादों पर ही टिकी हैं। चुनाव घोषणापत्रों के इस दौर में, भाजपा दिल्ली चुनाव के लिए अभी तक तीन हिस्सों में अपना 'संकल्प पत्र' जारी कर चुकी है।

दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव 5 फरवरी को होने जा रहा है। मतदाताओं का मन तो आठ फरवरी को ही पता चलेगा, लेकिन यह तय है कि इस चुनाव में कांटे की टक्कर है। कहने को तो कांग्रेस पार्टी फिर से अपनी खोई जमीन हथियाने की पुरजोर कोशिश में जुटी है लेकिन धरातल पर भाजपा और आप में ही सीधी टक्कर है। दिल्ली विधानसभा चुनाव पूरी तरह मुफ्त रेवड़ियों के वादों पर लड़ा जा रहा है। दस साल से दिल्ली की सत्ता पर काबिज आप इस बार भी मुफ्त रेवड़ियों के सहारे मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही है तो रेवड़ी-राजनीति को अर्थव्यवस्था के लिए घातक बताने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भाजपा भी रेवड़ियां बांटने की स्पर्धा में किसी से पीछे नहीं रहना चाहती। कभी लगातार 15 साल दिल्ली में सत्तारूढ़ रही, पर पिछले दो विधानसभा चुनावों में खाता तक खोलने में नाकाम कांग्रेस की भी सारी उम्मीदें मुफ्त रेवड़ियों के वादों पर ही टिकी हैं। चुनाव घोषणापत्रों के नये नामकरण के इस दौर में, भाजपा दिल्ली चुनाव के लिए अभी तक तीन हिस्सों में अपना 'संकल्प पत्र' जारी कर चुकी है। प्रतिद्वंद्वियों के मुद्दों को मात देने कवायद में ही ऐसा करना पड़ रहा है। पानी, बिजली और महिलाओं को बस यात्रा मुफ्त तथा बेहतर शिक्षा-स्वास्थ्य से अपनी अलग पहचान बनानेवाली आप ने अभी तक लागू न हो पायी महिला सम्मान योजना की राशि 1000 से बढ़ाकर 2100 रुपये करने का ऐलान किया तो कांग्रेस और भाजपा ने 2500 रुपये का वादा कर दिया।

यह प्रतिस्पर्धा हर वर्ग को लुभाने के लिए की गयी घोषणाओं में दिखती है। आप ने पुजारियों और ग्रंथियों को वेतन का ऐलान किया तो कांग्रेस ने दिल्ली में बड़ा वोट बैंक बन चुके पूर्वांचलियों के लिए विकास बोर्ड बनाने का ही वादा कर दिया है। कांग्रेस युवाओं को एक साल की इंटर्नशिप और साढ़े आठ हजार रुपये देने मासिक देने का वायदा कर रही है तो भाजपा ने केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठनेवाले छात्रों को 15 हजार रुपये देने की बात कही है। कांग्रेस की तरह भाजपा भी 500 रुपये में गैस सिलेंडर तो देगी ही, होली-दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर भी दिया जायेगा। मुफ्त रेवड़ियों की यह फेहरिस्त लंबी है, पर विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था में भी ऐसी विडंबना पर शर्म किसी के चेहरे पर नजर नहीं आती। पांच साल तक सत्ता में रही भाजपा और फिर 15 साल तक सत्ता में रही कांग्रेस लंबे समय से विपक्ष में होने के तर्क के सहारे अपनी वादों की राजनीति का बचाव करते हैं तो दस साल से सत्तारूढ़ आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने भी यमुना सफाई जैसे अधूरे वादों के बचाव में पहले ढाई साल 'कोरोना' और फिर 'जेल का खेल' का तर्क देते हुए 15 गारंटियां बांट दी हैं। मुफ्त रेवड़ियों का यह चुनावी खेल तब परवान चढ़ रहा है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा भारतीय रिजर्व बैंक और नीति आयोग भी मुफ्त रेवड़ियों की राजनीति के आर्थिक खतरों पर चिंता जता चुके हैं। खुद सवालों से घिरे चुनाव आयोग की बात न भी करें तो देश की सर्वोच्च अदालत तक इस प्रवृत्ति पर सवाल उठा चुकी है, लेकिन इस सबसे बेपरवाह सत्ता के खिलाड़ी इन्हें जन कल्याण योजनाएं बता रहे हैं। रेवड़ी-

राजनीति के चुनावी असर का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन-रात केजरीवाल को कोसनेवाली भाजपा को कहना पड़ रहा है कि अगर वह सत्ता में आयी तो भी आप सरकार की जन कल्याण योजनाएं जारी रहेंगी। हां, लोकतंत्र में जिस जनता को जनार्दन बताया जाता है, उसे यह बताने की जहमत कोई दल नहीं उठा रहा कि जन कल्याण के नाम पर बांटी जा रही रेवड़ियों पर कितना खर्च आयेगा और वह कहां से जुटाया जायेगा? सत्ता के तीनों दावेदार अन्य राज्यों में एक-दूसरे के चुनावी वादों और उनके पूरे होने पर सवाल उठाते हुए अपने 'ट्रैक रिकॉर्ड' के लिए खुद ही अपनी पीठ भी थपथपा रहे हैं। संकल्प पत्र का पहला भाग जारी करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दावा किया कि 500 में से 499 चुनावी वादे पूरे करने के साथ ही उनकी पार्टी का रिकॉर्ड सबसे बेहतर है। कांग्रेस और आप, लोकसभा चुनाव से लेकर तमाम विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में भाजपा के अधूरे चुनावी वायदे गिना रहे हैं। भाजपा भी पंजाब में आप तथा हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में कांग्रेस के चुनावी वादों को अधूरा बता रही है। इन आरोप-प्रत्यारोपों का सच जो भी हो, इतना तय है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की राजधानी दिल्ली में इस बार भी चुनाव मुफ्त रेवड़ियों के वादों पर ही लड़ा जा रहा है। महंगाई पर अंकुश और रोजगार बढ़ाने का विजन किसी राजनीतिक दल ने पेश नहीं किया है। ऐसे में दिल्ली के मतदाताओं को मुफ्त रेवड़ियों के वादों के आधार पर ही अपनी पसंद का राजनीतिक दल और उम्मीदवार चुनना होगा। हां, इसमें उनका राजनीतिक रुझान और संबंधित दल की वादे पूरे करने में विश्वसनीयता एक कारक बन सकता है, पर उन्हें याद रखना होगा कि मुफ्त रेवड़ियों की इसी राजनीति के चलते अभी तक 'सरप्लस' रहने वाले दिल्ली के बजट पर घाटे की तलवार लटक रही है। हाल ही में आयी भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट बताती है कि खासकर आधी आबादी के वोट बटोरने के लिए घोषित की जा रही मुफ्त योजनाएं राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतियां बन रही हैं। रिपोर्ट कहती है कि महिलाओं के खाते में सीधे नकद भेजने वाली योजनाओं का बढ़ता चुनावी चलन एक खतरनाक आर्थिक संकेत है। दिल्ली में 1000 रुपये मासिक महिला सम्मान योजना पर ही बजट का तीन प्रतिशत खर्च होने का अनुमान था। अगर उसे बढ़ा कर 2100 या 2500 रुपये किया गया तो वह और बढ़ जायेगा। पश्चिम बंगाल में लागू लक्ष्मी भंडार योजना पर होने वाला 14400 करोड़ रुपये का खर्च राज्य की कुल राजस्व प्राप्ति का छह प्रतिशत है। कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना के लिए आवंटित 28608 करोड़ रुपये कुल राजस्व प्राप्ति का 11 प्रतिशत बनता है। देश के आठ राज्यों में ही महिलाओं को मुफ्त नकदी बांटने वाली योजनाओं का खर्च डेढ़ लाख करोड़ रुपये के पार चला गया है। आधी आबादी को बिना काम नकदी, चुनाव कर जीत सत्ता पाने का कारगर फॉर्मूला बन रहा है। आने वाले समय में यह प्रवृत्ति और बढ़ेगी ही। ऐसे में दीर्घकालीन सर्वांगीण विकास की सोच और योजनाएं हमारे नीति-नियंताओं के एजेंडा से गायब ही होती जायेंगी। सतही तर्क हो सकता है कि जब मतदाता ही आत्मकेंद्रित सोच से ग्रस्त हैं तो उनके वोट पाने के लिए की जाने वाली राजनीति की सोच व्यापक और विकासपरक कैसे हो सकती है? देश की राजधानी दिल्ली की यह चुनावी तस्वीर मुफ्त रेवड़ियों की चुनावी राजनीति से मुक्ति की उम्मीद तो हरगिज नहीं जगाती। इसलिए राज्यों पर बढ़ते कर्ज का बोझ कम होने की उम्मीद भी नहीं की जानी चाहिए। याद यह भी रखना चाहिए राज्य पर कर्ज का बोझ अंततः नागरिकों पर ही कर्ज का बोझ है, क्योंकि राजनेता तो सत्ता-सुख भोग कर आते-जाते रहेंगे।

## राम सब घट मेरा साइयां

पूरे संसार में राम का निवास है, सबमें भगवान हैं और हम उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में है। कबीर ने कहा है-'राम सब घट मेरा साइयां'... राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में हैं। सदा सर्वदा सबके हृदय में रहेंगे, लेकिन हमारे स्वार्थ, हमारे हेतु, हमारी मानसिकताओं के कारण कभी-कभी हम राम को साधन बना बैठते हैं। इसलिए हम राम को सही रूप में नहीं समझ पाते। प्रत्येक व्यक्ति में यदि हमें सिया राम के दर्शन होने लगें तो तमाम भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। जातीय आधार पर भेदभाव काफी हद तक कम हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इसके लिए धर्माचार्यों को आगे आना होगा। धार्मिक क्षेत्र हो, राजनीतिक या फिर सामाजिक क्षेत्र, अंतिम व्यक्ति पूज्य होना चाहिए। अगर अंतिम व्यक्ति आप तक नहीं पहुंच पा रहा है तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उस तक पहुंचें। भारतीय दर्शन में इहलोक और परलोक की बात आती है। इहलोक और परलोक का कल्याण करने की बात मेरी दृष्टि में इह यानी अपने संसार के साथ-साथ दूसरों का भी कल्याण हो, ऐसा प्रयास करना ही इहलोक और परलोक को सुधारना है। दूसरों के कल्याण की भावना का क्षेत्र बहुत व्यापक है। हम व्यापक व विराट की संतान हैं, इसलिए दूसरों के कल्याण का भारतीय सोच पूरे विश्व के कल्याण का सोच है।

## तुलसीदास जी द्वारा श्रीराम के दर्शन का उपाय

एक ब्राह्मण दिनभर गोस्वामी जी के कुटिया के बाहर बैठकर लोभवश राम-राम रटता। संध्या के समय श्रीहनुमान जी उसे धन दे देते थे। एक बार उसने भगवान के दर्शन के लिए बड़ा हठ किया। गोस्वामी जी ने कहाः उसके लिए प्रेम और भाव चाहिए, संत की कृपा चाहिए। ऐसे ही एकदम भगवान नहीं मिलते। उसने कहाः आप समर्थ महापुरुष हैं, आप भगवा- के दर्शन करवा सकते है। वह हठ पर अड़ गया। गोस्वामी जी ने कहाः ठीक है यहाँ सामने इस पेड़ पर चढ़ जाओ, पेड़ के नीचे त्रिशूल गाढ़ दो और उस त्रिशूल पर कूद पडो। भगवा- के दर्शन हो जायेंगे। वह त्रिशूल गाडकर वृक्षपर चढ़ा, परंतु कूदने की हिम्मत नहीं हुई।

एक घुडसवार उधर से जा रहा था, उसने पूछाः पेड़ पर क्या कर रहे हो? ब्राह्मण बोलाः तुलसीदास जी ने कहा है पेड़ पर से त्रिशूल पर कूदो तुम्हे भगवा- श्रीराम के दर्शन होंगे। उस व्यक्ति ने कहाः क्या सच में यह बात तुलसीदास जी के श्रीमुख से निकली है? ब्राह्मण बोलाः जी हाँ ! वह व्यक्ति तुरंत पेड़ पर चढ़कर त्रिशूलपर कूद पड़ा। उसे भगवान ने आकर हाथ से पकड़ लिया और उसे श्रीराम के दर्शन प्राप्त हो गए। हनुमान जी ने उसे तत्त्वज्ञान का उपदेश भी दिया। गोस्वामी जी ने सत्य ही कहा था, जिनमें प्रेम-भाव हो एवं संत की कृपा हो वही भगवान के दर्शन पाता है।

# पुरुषों में होने वाला यूटीआई ज्यादा खतरनाक

**इन** दिनों सोशल मीडिया पर मेल यूटीआई यानी पुरुषों में होने वाले यूटीआई की बात हो रही है। यूटीआई का मतलब है यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन। आमतौर पर यह समस्या महिलाओं में देखने को मिलती है। इसलिए पुरुषों में इसे लेकर जागरूकता की कमी है। कई बार पुरुषों को इस बारे में जानकारी नहीं होने से गंभीर हेल्थ कंडीशंस का सामना करना पड़ता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पूरी दुनिया में हर साल यूटीआई के 15 करोड़ मामले सामने आते हैं। इसमें 20व केस पुरुषों के होते हैं। इसका मतलब है कि हर साल 3 करोड़ पुरुषों को यूटीआई प्रॉब्लम्स होती हैं। यूटीआई प्रॉब्लम्स के कारण हर साल 2 लाख 35 हजार से ज्यादा लोगों की मौत होती है। इन मौतों में 1 लाख से ज्यादा पुरुष होते हैं। इसका मतलब है कि यूटीआई इन्फेक्शन के कारण पुरुषों के मौत के आंकड़े महिलाओं के मुकाबले कहीं ज्यादा हैं। यूटीआई के लक्षण सभी में एक जैसे होते हैं। पेशाब करते समय जलन या दर्द होना सबसे आम लक्षण है। इसमें बार-बार पेशाब करने की जरूरत महसूस होती है, लेकिन हर बार बहुत कम मात्रा में पेशाब आता है। पेशाब का रंग गाढ़ा पीला हो सकता है या उससे अजीब बदबू आ सकती है। पुरुषों में यूटीआई इन्फेक्शन का सबसे आम कारण पेनिस के जरिए बैक्टीरिया का प्रवेश है। अगर कोई हाइजीन का ख्याल नहीं रखता या बहुत देर तक पेशाब रोककर रखता है तो इससे इन्फेक्शन का जोखिम बढ़ सकता है। प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ने या स्टोन्स के कारण भी यूटीआई संक्रमण का जोखिम बढ़ सकता है। यूटीआई का इलाज संक्रमण की गंभीरता और कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर डॉक्टर इसके लिए एंटीबायोटिक्स देते हैं। अगर डॉक्टर को लग रहा है कि इन्फेक्शन ज्यादा गंभीर है तो वह पहले यूरिन टेस्ट करते हैं और इस दौरान एंटीबायोटिक्स जारी रखते हैं। इस दौरान डॉक्टर हाइजीन मेंटेन करने और ज्यादा-से-ज्यादा पानी पीने की सलाह दे सकते हैं। खूब पानी पिएं। इससे यूरिनरी ट्रैक्ट साफ रहता है और बैक्टीरिया बाहर निकल जाते हैं। हाइजीन मेंटेन रखें, ताकि बैक्टीरिया यूरिनरी ट्रैक्ट के जरिए प्रवेश न कर सकें। ज्यादा देर तक पेशाब रोककर न रखें। इससे बैक्टीरिया पनपने के चांस बढ़ सकते हैं। सेक्स से पहले और बाद में प्राइवेट पार्ट की सफाई का विशेष ध्यान रखें। कोशिश करें कि सूती कपड़े से बने अंडरगारमेंट पहनें। इससे स्किन सूखी रहती है। ज्यादा कैफीन, बहुत मसालेदार खाना और शराब से परहेज बरतें। डायबिटीज कंट्रोल में रखें। ब्लड शुगर हाई होने पर बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए ताजे फल, सब्जियां और विटामिन-ष्ट से भरपूर भोजन करें। यूरिनरी ट्रैक्ट

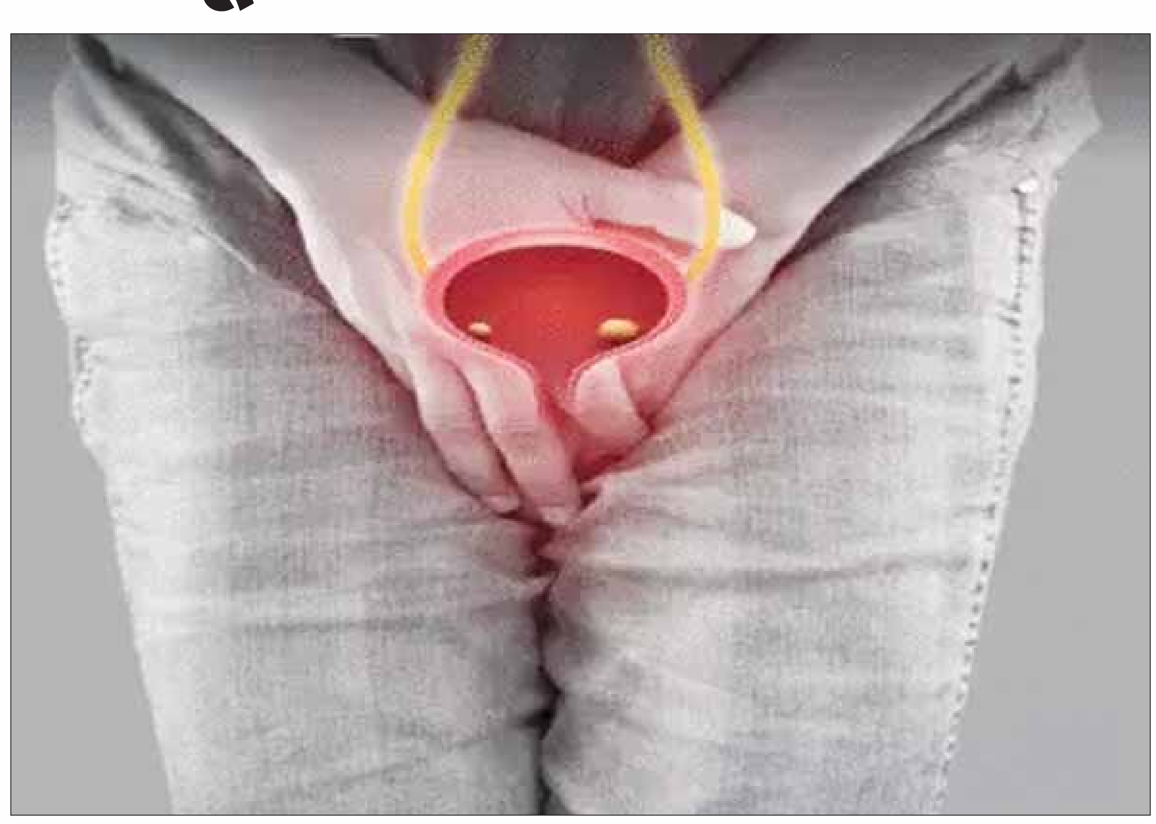

इंफेक्शन के कारण यूरिन का कलर बादल के रंग जैसा हो सकता है। यह क्रॉनिक किडनी डिजीज का भी संकेत हो सकता है। कई बार डिहाइड्रेशन में भी ऐसा होता है। अगर बार-बार पेशाब लग रही है और इस दौरान जलन भी रही है तो डॉक्टर से कंसल्ट करें। हमारे यूरिन का एकदम साफ रंग यह बताता है कि हम रोजाना जरूरी मात्रा से ज्यादा पानी पी रहे हैं। हाइड्रेटेड रहना अच्छी बात है, लेकिन बहुत ज्यादा पानी पीने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। कभी-कभार साफ यूरिन घबराने की बात नहीं है, लेकिन ऐसा कई दिनों तक रहे तो पानी की मात्रा कुछ कम कर सकते हैं। पुरुषों में यूटीआई इंफेक्शन का जोखिम 50 की उम्र के बाद ज्यादा होता है। इसका कारण शुगर, प्रोस्टेट वगैरह हो सकता है, जो यूरिनरी ट्रैक्ट को बैक्टीरिया और इंफेक्शन के प्रति ज्यादा वलनरेबल बनाते हैं। पुरुषों को यूटीआई होने पर कॉम्प्लिकेशन के ज्यादा चांस होते हैं। इसलिए संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ट्रीटमेंट की जरूरत होती है। इसके इलाज में आमतौर पर डॉक्टर एंटीबायोटिक्स देते हैं। साथ ही हाइजीन मेंटेन रखना और खूब पानी पीना जरूरी है। यूटीआई तब होता है, जब बैक्टीरिया यूरिनरी ट्रैक्ट के जरिए भीतर प्रवेश करते हैं। अगर किसी की उम्र 50 साल से कम है तो ज्यादातर इसका कारण अनसेफ सेक्स होता है। अगर किसी की उम्र 50 साल से ज्यादा है तो प्रोस्टेट की समस्याओं के कारण ऐसा होता है। अगर किसी को डायबिटीज या किडनी की भी समस्या है तो भी इन्फेक्शन जोखिम बढ़ जाता है। ज्यादा देर तक यूरिन रोकने से यूटीआई इन्फेक्शन का जोखिम बढ़ जाता है। इससे मौत की आशंका लगभग न के बराबर है। यह मिथ है। हालांकि, इसके कारण हुए इन्फेक्शन को न रोका जाए तो यह गंभीर हेल्थ क्राइसिस का कारण बन सकता है। अगर कोई बहुत लंबे समय तक पेशाब रोककर रखता है तो सीमा पार होने पर शरीर खुद ही ब्लैडर से अपना कंट्रोल खत्म कर देता है। इससे न चाहते हुए भी यूरिन पास हो जाता है।

# अभियांत्रिकी मेले में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विज्ञान एवं प्रतिभा का लोहा मनवाया

## ▼ स्कूली बच्चों ने बनाए विज्ञान के नायाब मॉडल ▼ मतदान प्रक्रिया द्वारा लोकतंत्र का महत्व समझाया तथा मतदान का परिणाम 8 फरवरी को किया जाएगा घोषित

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** बच्चों की प्रतिभा को निखारने तथा मंच प्रदान करने के उद्देश्य से विज्ञान एवं अभियांत्रिकी मेले का आयोजन किया गया। बसंत पंचमी एवं श्री आत्म वल्लभ जैन पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विज्ञान एवं अभियांत्रिकी मेले में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय कॉर्डिनेटर मुकेश सेठी ने बताया कि विद्यालय प्रांगण में हुए इस कार्यक्रम में छात्रों को विज्ञान और इंजीनियरिंग के अभ्यासों को स्वयं अनुभव करने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम मुख्य अतिथि प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय विभाग श्रीगंगानगर के सहायक निदेशक ऋषभ जैन (आरएएस), बागवानी उपनिदेशक श्रीमती प्रीति गर्ग, दी गंगानगर ट्रेडर्स एसोसिएशन अध्यक्ष भूपेंद्रपाल आहूजा, असिस्टेंट कमांडेंट सब इंस्पेक्टर राजस्थान पुलिस एसएचओ पी.एस. श्रीगंगानगर सुरजीत श्योरान, जैन शिक्षा न्यास अध्यक्ष अमरचंद बोरड़, सचिव नरेश जैन, वरिष्ठ सदस्य शेर सिंह आदि गणमान्य व्यक्तियों द्वारा गुरु प्रतिमा तथा मां सरस्वती व गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। प्रिंसिपल ममता अरोड़ा जैन ने बताया कि मुख्य अतिथियों का स्वागत ड्रम की थीम के साथ विद्यालय के मुख्य द्वार से लेकर मंच तक किया गया। तत्पश्चात् अतिथियों को तिलक बंधन के बाद माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर विद्यालय में नन्हे-मुन्ने वैज्ञानिक, राजनेता, आदर्श शिक्षक तथा गणित के विशेषज्ञ देखने को मिले। कार्यक्रम के दौरान संगीत शिक्षक कपिल सर के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने मनमोहक संगीत प्रस्तुतियों द्वारा अदभुत समां बांधा। विज्ञान मेले में बसंत पंचमी की रौनक नजर आई। बच्चों द्वारा बनाए गए नये संसद भवन के प्रतिरूप को सभी ने सराहा, गोल्डन टेंपल से आध्यात्मिकता का संचार हुआ तथा जलियांवाला बाग को देख कर इतिहास से जुडने का मौका मिला। इस अवसर पर श्री आत्म वल्लभ जैन शिक्षा न्यास सदस्य जगदीश राजोतिया, वर्धमान बोरड़, मंजू जैन, पवन जैन, निर्मल जैन, राजेश जैन, न्यास कोषाध्यक्ष दीपक जैन, रोटरी क्लब रॉयल से अशोक कटारिया, भारतीय जैन संगठना श्रीगंगानगर महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती अनीता जैन, सदस्य श्रीमती निशा जैन, माधुरी बोरड़, संभाग अध्यक्ष श्रीमती अमिता जैन सहित विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बच्चों द्वारा बनाए गए विज्ञान के नायाब मॉडलों की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की। विज्ञान एवं अभियांत्रिकी मेले में निर्णायक की भूमिका श्री आत्म वल्लभ जैन कन्या महाविद्यालय के व्याख्याता दिलीप कुमार, श्रीमती खुशबू तथा मिस राजेश्वरी ने निभाई। कार्यक्रम में मतदान प्रक्रिया सबके आकर्षण का केन्द्र रही, जिसके माध्यम से बच्चों को लोकतंत्र में मतदान के महत्व से अवगत करवाया गया। इस मौके पर आकाश हाउस द्वारा अध्यक्ष पद के लिए दो बच्चों को चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया। कार्यक्रम में मौजूद समस्त आगंतुकों द्वारा मतदान किया गया तथा मतदान का परिणाम 8 फरवरी को घोषित किया जाएगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आरएएस ऋषभ जैन ने कहा कि उन्हें अपने पुराने दिन याद आ गए, लेकिन आज का समय बहुत एडवांस हो गया है तथा विद्यार्थियों को आज उच्च कोटि की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे काफी अच्छा लग रहा है। सुरजीत श्योरान ने अपने सम्बोधन में कहा कि वह शेखावाटी से सम्बन्ध रखते हैं तथा शेखावाटी में साइंस विषय पर बड़े-बड़े स्कूलों के कार्यक्रम उन्होंने देखे हैं। निसंदेह जैन पब्लिक स्कूल के विज्ञान मेले ने अमिट छाप छोड़ी है। कार्यक्रम के अंत में सफल आयोजन के लिए प्रिंसिपल श्रीमती ममता अरोड़ा जैन ने सबका आभार व्यक्त किया।

# 39 एलएनपी को ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपा

## ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर चर्चा का दौर जारी

**जनमार्ग न्यूज**

**बींझबायला।** पदमपुर पंचायत समिति के गांव चक 39 एल एन पी को ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर गुरुवार को गांव 39 एलएनपी के वाशिंदों ने नायब तहसीलदार को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में गांव 39 एलएनपी की ग्राम पंचायत 34 एलएनपी है जिसकी पंचायत मुख्यालय से दूरी 7 किलोमीटर है। पंचायत मुख्यालय तक आने जाने का कोई भी साधन नहीं है। बस स्टैंड भी नहीं है जिससे सरकारी व प्राइवेट बस भी नहीं जाती है। मजबूरन ग्रामीणों को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है।

वर्तमान में गांव 34 एलएनपी की आबादी लगभग 700 है जबकि गांव 39 एलएनपी की वर्तमान आबादी 2166 है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव हुन्नतपुरा व 38 एलएनपी को गांव 39 एलएनपी में जोड़ दिया जाए तो जनसंख्या की दृष्टि से 39 एलएनपी को ग्राम पंचायत बनाया जा सकता है। जिससे ग्रामीणों को सुविधा उपलब्ध होगी

**ग्राम पंचायत में आते है ये चक:** गौरतलब बात यह कि वर्तमान में ग्राम पंचायत 34 एल एन पी में 51 एल एन पी , 39 एल एन पी ,33 एल एन पी ,साबू की मोड़, 36 एल एन पी 33 एल एन पी,38 एल एन पी 39 चक कॉलोनी सहित ढाणियां भी इस पंचायत में मौजूद है जिसकारण ग्राम पंचायत का दायरा भी काफी बढ़ा है

इस क्रम में 39 एल एन पी वासियों ने शुक्रवार को पदमपुर उपखंड अधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा और मांग की युवाओ ने बताया कि इस कार्य को लेकर 39 एल एन पी के लोग अपनी भागीदारी निभा रहे है जिससे लेकर ग्रामीणों दुवारा कमेटी का गठन कर इस मांग को लेकर सम्बधित उच्च अधिकारियों से मिलेंगे इस मौके पर चक 39 एल एन पी के युवाओं सहित ग्रामीणों ने ज्ञापन दिया।

**चर्चा का दौर जारी :** 39 एल एन पी ग्राम पंचायत बनाने की मांग को लेकर गांव की गलियों व मोहल्ले में चर्चा का दौर जारी है।

**जनमार्ग पढ़ें**
**ताजा खबरें**
**ज्यादा खबरें**

# हजारों करोड रूपये की ठगी के मामले मे आरोपीगण की 3 लग्जरी कारे जब्त

**श्रीगंगानगर।( जनमार्ग न्यूज )** पुलिस ने हजारों करोड रूपये की ठगी के मामले मे आरोपीगण की 3 लग्जरी कारे जब्त की है । इस मामले में जानकारी देते हुए उप महानिरीक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि कि परिवादी कांटेप्पा बाबू चव्हाण पुत्र श्री बाबू चौहान उम्र 40 साल निवासी इंगलागी, विजयपुरा, इंगलागी, कर्नाटक 586111 ने पुलिस थाना पुरानी आबादी श्रीगंगानगर मे एक परिवाद पेश कि की अजय आर्य पुत्र लाजपत निवासी अम्बिका सिटी 2 श्रीगंगानगर व उसके साथियो ने काप्पमोरे एफएक्स कम्पनी में लाखो रूपयो का निवेश करवाकर विजयपुरा, इंगलागी, कर्नाटक मे हजारो लोगो के साथ करीब 2 हजार करोड रूपये का साईबर फोड करके वहा से फरार होकर श्रीगंगानगर आ गये। जिस परिवाद पर प्रकरण सख्या 38 / 2025 धारा 420,406, 120बी भादस पुलिस थाना पुरानी आबादी में दर्ज कर जाँच अधिकारी श्रीमति ज्योति उनि0 मय स्टाफ मय आरोपी अजय आर्य तलाशी के दौरान दस लाख रूपये नगद, 3 सीपीयू, 6 मोबाइल फोन, 8 एटीएम कार्ड, 3 पैन कार्ड, करीब 85 लाख रूप्ये की लक्जरी कार व साईबर फोड सम्बधी अन्य दस्तावेज बरामद हुये। जिसके आधार पर आरोपीगण अजय आर्य, दीपक आर्य, लाजपत आर्य, सौरभचावला उसकी पत्नी सलोनी चावला, कर्मजीत सिंह, बलजीत सिंह, राजेंद्र सिंह के खिलाफ धारा 111 (2) ,111(3), 111(4),111(6) 317 (2) (5) 318 (4) 61 (2) बी बीएनएस 2023 66 सी.डी आईटी एक्ट में पुलिस थाना सदर पर प्रकरण दर्ज कर अनुसधान थानाधिकारी पुलिस थाना सदर श्रीगंगानगर द्वारा शुरू किया गया।

# मारवाड़ी युवा मंच ने इस्कॉन के श्री राधा गोपीनाथ मंदिर शिलान्यास समारोह में सेवा की

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** मारवाड़ी युवा मंच, मुख्य शाखा श्रीगंगानगर द्वारा हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी के सामने स्थित इस्कॉन के श्री राधा गोपीनाथ मंदिर के शिलान्यास समारोह में भोजन प्रसादी की सेवा की गई। अध्यक्ष विविध बिहाणी ने बताया कि इस्कॉन के श्री राधा गोपीनाथ मंदिर शिलान्यास समारोह को लेकर मारवाड़ी युवा मंच पदाधिकारियों व सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिला तथा समस्त सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भोजन प्रसादी की व्यवस्था को सुचारू रूप से सम्भाला। कार्यक्रम में मौजूद श्रद्धालुओं ने श्रद्धा भाव से भोजन प्रसादी ग्रहण की तथा मारवाड़ी युवा मंच की सेवा व्यवस्थाओं की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय पदाधिकारी वेदप्रकाश लखोटिया, अध्यक्ष विविध बिहाणी, सचिव हिमांशु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, कार्यक्रम प्रभारी गौरव मित्तल, पीयूष सिंगल, सीए सुमित लड्ढा, शिव सिंगल व केशव गर्ग, सुनील गर्ग 'बाबू' सहित मारवाड़ी युवा मंच श्रीगंगानगर पदाधिकारी, सदस्य तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु-भक्त उपस्थित थे।

# संदिग्ध स्थिति में महिला की मौत

## परिजनों ने ग्रामीणों पर लगाया हत्या का आरोप

**जनमार्ग न्यूज**

**जहानाबाद।** जहानाबाद के परस बीघा थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ रेप के बाद हत्या करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार महिला जीविका में काम करती थी। वह शनिवार की रात से लापता थी। महिला का शव रविवार की रात गांव से लगभग आधा किलोमीटर दूर खेत से बरामद किया गया। परिजनों का आरोप है कि कुछ ग्रामीणों ने गला दबाकर महिला की हत्या कर दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। एसआई ब्यूटी कुमारी ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान उन्हें महिला के शव की सूचना मिली। प्रारंभिक जांच में महिला के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले है। जांच में सामने आया है कि महिला का कुछ लोगों से अवैध संबंध था। इसके कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों का पता चल सकेगा।

# कनिष्ठ सहायक कर्मजीत कौर सम्मानित

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** पंचायतीराज विभाग ग्राम पंचायत फौजूवाला मे पदस्थापित कर्मजीत कौर, कनिष्ठ सहायक को महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत श्रमिकों को जिला एवं ब्लॉक स्तर पर सबसे अधिक 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध करवाने में उत्कृष्ट कार्य के लिए उपखण्ड प्रशासन रायसिंहनगर के उपखंड अधिकारी सुभाषचंद्र चौधरी, विधायक सोहन नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भंवरलाल, पुलिस उप अधीक्षक अनु बिश्नोई, प्रधान सुनीता गोदारा, नगरपालिका अध्यक्ष अशोक गोयल, विकास अधिकारी संजय जाखड़ की ओर से गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत फोजूवाला के सरपंच रोशनी धारणिनिया,विकास अधिकारी संजय जाखड़ एवं समस्त ग्रामवासियों ने शुभकामनाएं एवं प्रशंसा व्यक्त की।

# आर्य समाज ने ज्ञान ज्योत पर्व व बसंती पंचमी महोत्सव वैदिक यज्ञ द्वारा मनाया

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** आर्य समाज, श्रीगंगानगर द्वारा महर्षि दयानंद की 200वीं जयंती उपलक्ष्य ज्ञान ज्योति पर्व तथा बसंत पंचमी महोत्सव हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। प्रधान रतन भटनागर ने बताया कि मेजर गंगासिंह ट्रस्ट आश्रम, नाथांवाली में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम आर्य समाज के पुरोहित विक्रांत शास्त्री के ब्रह्मत्व में आश्रम की छात्राओं ने वैदिक यज्ञ किया तथा उपस्थित महानुभावों व माताओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीमती राज सक्सेना ने भजनों द्वारा अदभुत समां बांधा तथा वैदिक संस्कृति का प्रचार किया। मेजर गंगासिंह आश्रम द्वारा आश्रम के बारे में जानकारी दी गई तथा आगामी गतिविधियों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में विक्रांत शास्त्री ने बलिदानी वीर हकीकत राय तथा सम्राट पृथ्वीराज चौहान के बलिदान एवं उनके जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डाला। डॉ. अरविंद वर्मा ने निशुल्क चिकित्सा सेवा की घोषणा की।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रधान रतन भटनागर ने ज्ञान ज्योति पर्व तथा बसंत पंचमी के महत्व पर प्रकाश डाला तथा बलिदानी वीर हकीकत राय एवं सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने सफल आयोजन के लिए आर्य समाज, स्त्री आर्य समाज आदर्श नगर एवं आर्य समाज हनुमानगढ़ टाउन से पधारे पदाधिकारियों, सदस्यों तथा मेजर गंगासिंह ट्रस्ट आश्रम, नाथांवाली का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्त्री आर्य समाज की पूर्व प्रधाना श्रीमती पुष्पा कालड़ा, वर्तमान प्रधाना श्रीमती कल्पना वर्मा, आर्य समाज हनुमानगढ़ टाउन के मंत्री बलवंत निडर, आर्य समाज श्रीगंगानगर के मंत्री रवि वर्मा, उप प्रधान घनश्याम पाठक, उप मंत्री आनंद धवन, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र भाटिया, प्रचार मंत्री दीपक सेठी, आर्यवीर दल प्रभारी देवेंद्र सिंह, श्रीमती मीना जाखड़, श्रीमती शकुंतला भाटिया, श्रीमती वीना, श्रीमती प्रभाती देवी, भगवान सिंह, वेदपाल गिरी, सतीश जसूजा, अर्जुन धवन, कलवंत सिंह, अजय भास्कर सहित आर्य समाज पदाधिकारी, सदस्य तथा मेजर गंगासिंह ट्रस्ट आश्रम, नाथांवाली छात्राएं, स्टाफ सदस्य व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सबको मीठे चावल का प्रसाद वितरित किया गया।

# दलित युवती की हत्या में 3 गिरफ्तार

**अयोध्या।** अयोध्या में दलित युवती की हत्या का खुलासा करने का पुलिस ने दावा किया है। पुलिस ने 3 युवकों को गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी दिग्विजय सिंह उर्फ बाबा है। वह उसी गांव का रहने वाला है।

पुलिस सूत्रों ने बताया, दिग्विजय का युवती के पिता के पास आना-जाना था। दो महीने पहले युवती के भाई ने दिग्विजय को पीटा था। इससे वह खुन्नस रखता था। 30 जनवरी को दिग्विजय अपने दो दोस्तों हरिराम कोरी और विजय साहू के साथ गांव के बाहर नशा कर रहा था। इसी दौरान युवती कथा सुनकर लौट रही थी। तीनों ने उसे अकेले आते देखा तो जबरन खेत में खींच लिया। उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी। फिर लाश को छोड़कर फरार हो गए।

# बसंत पंचमी पर 40 बच्चों को विद्यारम्भ संस्कार करवाया एवं सरस्वती पूजन किया

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** विद्या भारती द्वारा बालाजी धाम के समीप संचालित आदर्श विद्या मन्दिर विद्यालय में बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में विद्यारम्भ संस्कार एवं सरस्वती पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्यवस्थापक सुरेन्द्र चनाणी ने बताया कि इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम हवन, ग्रंथों का पूजन, ऊँ श्री का उच्चारण तथा पाटी पूजन किया गया। प्रबंध समिति सदस्य सुरेश स्वामी, विद्यालय व्यवस्थापक सुरेन्द्र चनाणी, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र गर्ग, उपसरपंच सीताराम जलंधरा, पूर्व छात्र सुभाष घोटिया, अभिभावक सुखराज ने सपत्नीक हवन में बैठकर विश्व शांति की भावना से आहुतियां दी। तत्पश्चात् सुरेश स्वामी ने 16 संस्कारों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा

40 भैया-बहनों का विद्यारम्भ संस्कार भी करवाया गया। कार्यक्रम में मौजूद शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने स्मार्ट बोर्ड का अवलोकन किया तथा बच्चों को संस्कारवान बनाने के साथ-साथ उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्थाओं की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर रामप्रताप चांदोरा, साधुराम भोभरिया, मोमन राम पटवारी, लूणाराम कलवासिया, कृष्णलाल सरस्वा, सुरेश स्वामी, अरविंद स्वामी, अभिमन्यु गोयल, विजय बिरथलिया, सन्तोष विजयवर्गीय, रोहित बरावड़, नरेश बरावड़, मीरां स्वामी, कमला देवी, बादू देवी, गुड्डी देवी, कमल कौर, कमलेश, दर्शना, हर्ष गोयल, पूर्व छात्र मुकेश पारीक, स्वास्थ्य कार्यकर्ता तारामणि शर्मा, पूर्व छात्र पंडित मांगीलाल, प्रधानाचार्य गीता सामंत, बलराम, सुमन दीप कौर, आदित्य, अनीता राजपूत, रविकांत शर्मा, बाबा रामदेव घुमंतू छात्रावास अधीक्षक वालाराम तथा भैया-बहनों के अभिभावक व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दिल्ली से सटे हरियाणा के शहर फरीदाबाद के सूरजकुंड क्षेत्र में विशाल-भव्य शिल्प मेला हर साल फरवरी माह में आयोजित होता है। इस बार के इस मेले में एक के बजाय दो राज्यों की शिल्प कला पर फोकस किया जाएगा। साथ ही इस बार कलाप्रेमी पर्यटक, कुछ अन्य देशों की शिल्प कला से भी रूबरू हो सकेंगे।

## कला-संस्कृति का बहुरंगी संगम

# सूरजकुंड का शिल्प मेला

हरियाणा के फरीदाबाद शहर स्थित सूरजकुंड क्षेत्र में हर साल लगने वाला अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला, इस बार 7 से 23 फरवरी 2025 के बीच लगेगा। अरावली की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच आयोजित होने वाला शिल्प का विश्व में यह सबसे बड़ा मेला है। यहां देश के विभिन्न हिस्सों से तो शिल्पकार और लोक कलाकार अपनी शिल्प और कला का प्रदर्शन करने आते ही हैं, दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भी इस मेले में शिल्पकार और शिल्प प्रेमी पर्यटक भी आते हैं। कुल मिलाकर 15 दिन तक चलने वाले इस मेले में 10 से 12 लाख तक देशी-विदेशी पर्यटक जुटते हैं। हस्तशिल्प, हथकरघा और सांस्कृतिक ताने बाने की समृद्ध लोककलाओं की विविधता को प्रस्तुत करने वाला यह दुनिया का सबसे अद्वितीय मेला है।

**दो राज्यों पर होगा फोकस:** हर साल सूरजकुंड मेले में देश का कोई एक राज्य मेन फोकस होता है। लेकिन इस साल एक नहीं दो फोकस राज्य हैं, ओडिसा और मध्यप्रदेश। दरअसल फोकस राज्य ही इस शिल्प मेले की हर वर्ष की थीम होते हैं। इसलिए इस साल मेले की थीम दोनों राज्यों की शिल्प कलाएं होंगी। शिल्प कलाओं के मामले में देश के सबसे समृद्ध माने जाने वाले राज्यों में शामिल ओडिसा और मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, कला और शिल्प का यह मेला शोकेस के रूप में दिखेगा।

**कई देश भी होंगे शामिल:** इस साल बिम्सटेक संगठन के सदस्य देश-बांग्लादेश, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका, नेपाल और थाइलैंड भी मेले में पार्टनर देश के रूप में शामिल होंगे, जिससे इस साल का यह शिल्प मेला बाकी सालों से कहीं ज्यादा खास होगा। क्योंकि इस साल इस मेले में भारत के किसी एक राज्य या विभिन्न राज्यों के ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारत और छह अन्य देशों की कला और हस्तशिल्प को भी देखा जा सकता है। इसलिए इस साल कहीं ज्यादा पर्यटकों के आने की उम्मीद है।

**कला प्रदर्शन का मंच:** पिछले लगभग चार दशकों में (इस साल मेले का 38वां संस्करण होगा) यह मेला भारतीय कला, शिल्प और संस्कृति का देश में सबसे ऑथेंटिक मंच बनकर उभरा है। विभिन्न परंपराओं और

लोककलाओं के प्रदर्शन का सबसे जीवंत मंच बन गया है। यहां हस्तशिल्प, कला, संगीत, नृत्य के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया जाता है। मेले में शिल्पकारों और कारीगरों को न सिर्फ अपनी कलाओं को प्रदर्शित करने का मौका मिलता है बल्कि कारोबार का भी यह मेला शानदार गेट वे प्रदान करता है।

**कई मायने में है मेले की महत्ता:** मेले में भाग लेने वाले विदेशी कलाकार, जहां अपने-अपने देशों की संस्कृति का आदान-प्रदान करते हैं, वहीं ये कलाकार सूरजकुंड शिल्प मेले के दुनिया के कोने-कोने में विस्तार करने वाले 'ब्रांड अंबेस्डर' बनकर भी उभरे हैं। वास्तव में इस मेले का मुख्य मकसद भारतीय कला और शिल्प को बढ़ावा देना है। यह शिल्पकारों और उनके उत्पादों को सीधा बाजार प्रदान करता है। साथ ही इससे बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक पर्यटन प्रोत्साहित होता है और हस्तशिल्प, लोककलाओं को संरक्षण मिलता है। इस मेले में अद्वितीय और दुर्लभ हस्तशिल्प कलाएं देखने को मिलती हैं। जैसे बिहार की मधुबनी पेंटिंग, बनारस की साड़ियां, कांसे की मूर्तियां और मिट्टी के खिलौने। इस मेले में कई देशों के शिल्पकार भाग लेते हैं, जिससे यह भारत की शिल्प कलाओं का ही मंच नहीं बल्कि दुनिया की शिल्प कलाओं का शानदार मंच बनकर उभरा है। मेले में हर साल शामिल होने वाले देश बदलते रहते हैं, इसलिए यहां दुनिया के हर कोने की शिल्प देखी और खरीदी भी जा सकती है।

**होते हैं कई कार्यक्रम आयोजित :** सूरजकुंड मेले में लोकनृत्य, लोकसंगीत के साथ साथ फैशन शो भी आयोजित होते हैं, जो पर्यटकों को खासतौर पर आकर्षित करते हैं। पंद्रह दिनों तक चलने वाले इस मेले में हरियाणा और दिल्ली से ही नहीं कई राज्यों से हर दिन हजारों लोग घूमने और कला की बहुरंगी छटा देखने के लिए आते हैं। इस तरह देखें तो सूरजकुंड का हस्तशिल्प मेला भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित और संरक्षित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। यह न केवल कला और संस्कृति को संरक्षण देता है, इनको बढ़ाता है बल्कि शिल्पकारों की अजीविका को भी सशक्त बनाता है। इससे शिल्पकारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। ❋

### ऐसे हुई सूरजकुंड मेले की शुरुआत

सूरजकुंड शिल्प मेले की शुरुआत साल 1987 में हुई, जब प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल थे। उनके ही प्रयासों से हरियाणा टूरिज्म डिपार्टमेंट ने भारत सरकार के सहयोग से यह मेला शुरू किया था। देखते ही देखते यह मेला न सिर्फ भारत का सबसे बड़ा और समृद्ध शिल्प-संस्कृति का मेला बन गया बल्कि अंतरराष्ट्रीय नक्शे में भी शिल्प और लोककलाओं के इस मेले ने अपनी विशेष जगह बनाई है। आज पूरी दुनिया में विशेषकर शिल्प और लोककलाओं का इतना समृद्ध मेला कोई दूसरा नहीं है।

वैसे तो वसंत पंचमी का पर्व अपने देश में ही नहीं कई अन्य देशों में भी अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। लेकिन इस दिन मुख्य रूप से मां सरस्वती की पूजा की जाती है। इसकी विविधता-धार्मिक महत्ता पर एक दृष्टि।

## मां सरस्वती की आराधना का पर्व

# पावन वसंत पंचमी

भारतीय संस्कृति में वसंत पंचमी पर्व का बहुत महत्व है। वसंत पंचमी विद्या और ज्ञान की देवी मां सरस्वती की आराधना का पर्व है। यह वसंत ऋतु के आगमन का भी प्रतीक है। वसंत पंचमी का पर्व माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। यह ऋतु परिवर्तन के संधिकाल का समय होता है, जब ठंड कम होने लगती है और प्रकृति में हर तरफ हरियाली होती है और विभिन्न तरह के फूलों का खिलना शुरू हो जाता है।

**धार्मिक-आध्यात्मिक महत्ता:** भारत में वसंत पंचमी के पर्व का धार्मिक-आध्यात्मिक महत्व भी है, क्योंकि हम भारतीय वसंत पंचमी को ज्ञान, कला और संगीत की देवी सरस्वती की पूजा करते हैं। यही वजह है कि इस दिन विद्यार्थी, सभी तरह के कलाकार और लेखक मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनते हैं, पीला भोजन खाते हैं और महिलाएं सजने-संवरने के लिए पीले फूलों का इस्तेमाल करती हैं, क्योंकि पीला रंग वसंत और उत्सव का प्रतीक होता है।

**पड़ोसी देशों में वासंती उत्सव:** अगर भारतीय उपमहाद्वीप के अपने पड़ोसी देशों की बात करें तो नेपाल में यह श्रीपंचमी के नाम से मनाया जाता है, यहां भी देवी सरस्वती की पूजा की जाती है और बच्चों को शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश दिलाया जाता है। बांग्लादेश में इसे सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बांग्लादेश में महिलाएं और लड़कियां पीले वस्त्र, आमतौर पर पीली साड़ी पहनती हैं। पाकिस्तान में भी वसंत ऋतु के उत्सव को उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन पाकिस्तान में लोग पतंगबाजी का खूब लुत्फ लेते हैं।

**हर प्रदेश में अलग छटा:** जहां तक अपने देश की बात है तो इस दिन देवी सरस्वती की प्रतिमाओं या चित्रों की पूजा की जाती है। इस पूजा में विद्यार्थी अपनी किताबों और लेखन सामग्री को मां सरस्वती के समक्ष रखते हैं। बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और देश के कई दूसरे हिस्सों में भी इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनते हैं। खाने में मीठे चावल, खिचड़ी और पीले रंग के हलवे को पसंद किया जाता है। पंजाब और हरियाणा में भी इस दिन खूब पतंगबाजी का आनंद लिया जाता है, तो उत्तर प्रदेश से लेकर त्रिपुरा तक सरस्वती पूजा की जाती है। स्कूलों और कॉलेजों में तो बड़े पैमाने पर इस दिन सरस्वती पूजा का सांस्कृतिक पर्व संपन्न होता है। लोकगीत गाए जाते हैं और मां सरस्वती की प्रार्थना और वंदना की जाती है। राजस्थान में इन दिनों का नजारा बेहद रंगीन होता है। हर तरफ खेतों में सरसों फूले होते हैं, इसलिए दूर तक प्रकृति चमकदार पीली आभा से भरपूर दिखती है। इस दिन महिलाएं पारंपरिक नृत्य करती हैं। जबकि छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में इस दिन खूब लोकनृत्य और सामाजिक मेल-जोल दिखता है।

**प्रकृति से जुड़ाव का संदेश:** वसंत पंचमी केवल धार्मिक पर्व नहीं है, यह प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने और जीवन में उत्साह और नई ऊर्जा के संचार का सांस्कृतिक पर्व भी है। भारतीय उपमहाद्वीप में इसकी अनेक परंपराएं हैं, लेकिन सबके मूल में उद्देश्य ज्ञान और प्रकृति का उत्सव मनाना होता है। क्योंकि जब वसंत पंचमी का यह पर्व आता है तो उत्तर पश्चिम और पूर्वी भारत के एक बड़े हिस्से में खेतों में सरसों के फूल खिले होते हैं और रबी की दूसरी फसलें भी तेजी से बढ़ रही होती हैं, इसलिए प्रकृति में जहां तक नजर जाती है धरती धन-धान्य से परिपूर्ण नजर आती है। ❋

### विदेशों में भी मनाते हैं पर्व

वसंत पंचमी का यह पर्व वैश्विक पर्व भी है। दुनिया के कई देशों में वसंत ऋतु से मिलते-जुलते पर्व मनाए जाते हैं। मसलन चीन में वसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए चंद्र नववर्ष या स्प्रिंग फेस्टिवल मनाया जाता है। इसमें भी प्रकृति के परिवर्तन और नई ऊर्जा का स्वागत किया जाता है। जबकि जापान में इसे हनामी या चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल के नाम से जानते हैं, क्योंकि जापान में वसंत ऋतु के दौरान ही चेरी ब्लॉसम के फूल खिलते हैं और इसका उत्सव मनाया जाता है। इसे प्रकृति के सौंदर्य से नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। ईरान में इस दिन नवरोज फेस्टिवल मनाया जाता है, यह पारसी नववर्ष और वसंत के आगमन का प्रतीक होता है, जो ईरान और मध्य एशिया में धूमधाम से मनता है। यूरोप में भी वसंत पंचमी से मिलता-जुलता पर्व मनाया जाता है, वहां इसे मई डे कहा जाता है। यह वास्तव में वसंत के स्वागत के लिए प्रकृति की मनुहार करने वाला पर्व होता है।

जल्द ही सीबीएसई और अन्य स्टेट बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। इस दौरान आप टेंशन फ्री होकर कैसे अच्छी तैयारी कर सकते हैं? आपके लिए यूजफुल सजेशंस।

## तब बिल्कुल नहीं रहेगा

# एग्जाम का स्ट्रेस

एग्जाम टाइम आते ही स्टूडेंट्स की रात की नींद और दिन का चैन उड़ जाता है। दिल की धड़कन और दिमाग का तनाव बढ़ जाता है। चिकित्सकीय भाषा में इस बेचैनी भरी स्थिति को एग्जाम स्ट्रेस या एंग्जायटी कहते हैं। इससे उबरने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

**चुनौती समझकर स्वीकार करें:** इस सच को स्वीकार करें कि आपको एग्जाम देना ही होगा। यह प्रगति के लिए जरूरी स्टेप है। इससे घबराने या दूर भागने से कुछ नहीं होगा। परीक्षाओं को सिर्फ बाधाओं के रूप में देखना बंद करें और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के अवसर या चुनौती के रूप में देखें। आपके प्रयास, आपके लचीलेपन, सीखने और विकसित होने की आपकी क्षमता से आपकी सफलता निर्धारित होती है, न कि चिंता या पलायन से।

**खुद पर ध्यान दें:** इस बात का तनाव न लें कि आपके दूसरे सहपाठी परीक्षा की तैयारी कैसे कर रहे हैं? इस बात पर ध्यान दें कि आप क्या कर रहे हैं और क्या बेहतर कर सकते हैं? हो सकता है कि आपको लगे कि दूसरे सहपाठी बहुत बढ़िया कर रहे हैं, आपसे ज्यादा रिवीजन कर रहे हैं या फिर बड़े आराम से पढ़ रहे हैं। लेकिन ऐसा होता नहीं है, इसलिए बेहतर है कि आप दूसरों के बजाय अपने पर ज्यादा ध्यान दें।

**बी पॉजिटिव:** सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए खुद को उत्साहित और प्रेरित करें। सुबह जरा जल्दी उठें ताकि आपके पास पढ़ने के लिए पर्याप्त समय हो। परीक्षा की चिंता अकसर तब होती है, जब आप तैयार नहीं होते हैं। खुद को ठोस तैयारी के साथ प्रिपेयर करके उस तनाव को दूर भगाएं। चिंताजनक विचारों या नकारात्मक विचारों जैसे कि 'मैं असफल हो जाऊंगा' या 'मैं यह नहीं कर सकता' का मुकाबला सकारात्मक विचारों या उत्साहवर्धक कथनों जैसे कि 'मैंने यह कर लिया' या 'मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा, मुझे अपना काम पता है' से करें। इन उत्साहवर्धक वाक्यों को लिखें और उन्हें अपने स्टडी एरिया के चारों ओर चिपका दें। इससे आप प्रेरित होते रहेंगे।

**प्लानिंग से करें पढ़ाई:** अपने पाठ्यक्रम को कुछ छोटे-छोटे भागों में विभाजित करें और एक स्टडी प्लान बनाएं, जो संतुलित हो। उस शेड्यूल पर पूरी मजबूती से टिके रहें। हर रोज पढ़ने का व्यवस्थित और व्यावहारिक रुटीन और संतुलित लक्ष्य तैयार करें और इसका पूरी शिद्दत के साथ पालन करें। एक ही स्थान पर पढ़ने से बोरियत होती हो तो कभी अपने मकान की छत पर या एक से दूसरे कमरे में पढ़ने की जगह बदलते रहें। एक बार में एक ही चैप्टर या विषय ढंग से पढ़ें। अगर आपको लगता है कि आपकी योजना सही नहीं है, तो इसमें बदलाव करें। आपकी योजना, आपकी क्षमता तैयारी को नियंत्रित करने में मददगार होनी चाहिए, न कि आपको थकाने वाली। रिवीजन को अपनी रुटीन का हिस्सा जरूर बनाएं।

**आराम भी है जरूरी:** रात को आराम से सोएं और रोज सात-आठ घंटे की नींद जरूर लें। इससे ब्रेन को आराम मिलेगा और वह नई चीजें याद रखने के लिए तैयार होगा। ज्यादा देर तक पढ़ना महत्वपूर्ण नहीं, सही ढंग से पढ़ना जरूरी है। इस बात को समझें कि अगर आप विषय को समझ या ग्रहण नहीं कर पा रहे हैं तो चाहे जितनी देर किताब लेकर बैठें, कोई फायदा नहीं होगा।

**माइंड को रखें फ्रेश:** माइंड फ्रेश रखने के लिए डीप ब्रीदिंग करें। मेडिटेशन करें। चाहें तो भजन या बीच-बीच में एकाध मन पसंद गाने सुनें और भाई-बहनों या मित्रों के साथ हल्की गपशप और मजाक भी करें, इससे आपका माइंड फ्रेश रहेगा। अगर आपको लगता है कि आप अभी भी बहुत ज्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति से बात करें, जिस पर आप भरोसा करते हों। चाहे वह माता-पिता, शिक्षक, मेंटर या मित्र हो। कभी-कभी सिर्फ चीजों के बारे में बात करने से ही आपको बेहतर महसूस हो सकता है और जिस व्यक्ति से आप बात करते हैं, वह आपको चीजों को सही नजरिए से देखने में मदद कर सकता है। ❋

अभिनेत्री श्रीदेवी और बोनी कपूर की बड़ी बेटी जान्हवी के बाद छोटी बेटी खुशी कपूर भी फिल्मों में अपने जलवे बिखेर रही हैं। 2023 में नेटफ्लिक्स पर उनकी 'द आर्चीज' रिलीज होने के बाद अब बहुत जल्दी अद्वैत चंदन निर्देशित रोमांटिक फिल्म 'लवयापा' रिलीज हो रही है। इस फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत खुशी कपूर से।

# मैं नेचर से इंट्रोवर्ट हूं : खुशी कपूर

**फिल्म 'लवयापा' में आपका किस तरह का किरदार है ?**

इस फिल्म में मेरे किरदार का नाम बानी है, जो बेहद अनूठा है। बानी काफी आउटस्पोकन है। अपने बारे में काफी बोलती है। जिंदगी को देखने का उसका नजरिया ब्रॉड है। कहानी के मुताबिक बानी के पैरेंट्स उसके प्यार को परखने के लिए उसके प्रेमी गौरव और उसका मोबाइल फोन एक्सचेंज करवा देते हैं। इसके बाद जो हंगामा होता है, वही इस फिल्म की कहानी है। फिल्म की कहानी का बैकड्रॉप दिल्ली का है। फिल्म में मेरे प्रेमी गौरव का रोल आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने निभाया है।

**बानी के रोल को आप अपने आपसे कितना रिलेट करती हैं ?**

मैं नेचर से बहुत इंट्रोवर्ट हूं। मेरे इनर सर्कल में सिर्फ जानस (दीदी जान्हवी कपूर) और पापा हैं, फिर मेरा करीबी परिवार जैसे अनिल चाचू, संजय चाचू और कपूर परिवार के सभी अन्य मेंबर्स हैं। मेरी किसी से दोस्ती होने में देर लगती है। दोस्ती होने के बाद भी मैं बहुत ज्यादा घुल-मिल नहीं पाती। बानी मेरे अपोजिट है, जो मैं असलियत में नहीं हूं, ऐसे किरदार को निभाने का मजा ही कुछ और है। इसलिए मैंने यह रोल एक्सेप्ट किया। मैं इस फिल्म में बानी के कैरेक्टर से बिल्कुल रिलेट नहीं करती।

**आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ काम करने का एक्सपीरियंस कैसा रहा ?**

जुनैद इस फिल्म के हीरो और को-प्रोड्यूसर भी हैं। कहानी के मुताबिक मोबाइल एक्सचेंज वाली घटना से फिल्म एक अलग मोड़ लेती है। इससे हमें मुश्किल में छह-सात दिन ही एक साथ सीन करने को मिले, बाकी हमारे ज्यादातर सीन्स मोबाइल पर ही बात करते हुए हैं। जुनैद के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा।

**आपका पूरा कपूर परिवार फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखता है। आपके पापा, जो नामचीन निर्माता हैं, उन्होंने आपको क्यों नहीं लांच किया ?**

हां पापा, चाचू (अनिल कपूर) प्रोड्यूसर हैं। लेकिन पापा के सामने खड़े होकर कैसे कहें, 'पापा मेरे लिए कोई फिल्म बनाइए।' ऐसा होता नहीं है। संजय चाचू (संजय कपूर) की बेटी शनाया को भी तो चाचू ने लांच नहीं किया। सोनम (कपूर) को भी संजय भंसाली ने लांच किया। मुझे लगता है कि बाहर के प्रोड्यूसर के साथ शुरू में काम करना हमेशा अच्छा रहता है, हमारे जैसे उभरते कलाकार ज्यादा एक्सप्लोर होते है, पैंपर्ड नहीं होते।

**क्या आपकी एक्टिंग में करियर बनाने की प्लानिंग पहले से थी ?**

मैंने अपनी आंखें एक फिल्म परिवार में खोलीं। मम्मी अभिनेत्री थीं। कभी उनके सेट्स पर तो कभी पापा के सेट्स पर मेरा और जान्हवी का जाना होता रहता था। डाइनिंग टेबल पर बैठते तो उस वक्त भी कुछ न कुछ फिल्म रिलेटेड टॉपिक पर बात होती थी। ऐसे में मेरा और जान्हवी का फिल्मों में आना नेचुरल है।

**'द आर्चीज' के बाद यह फिल्म आपके करियर का दूसरा प्रोजेक्ट है, आप कितना तनाव महसूस कर रही हैं ? यह तनाव फिल्म में सफल होने का है या फिर आप श्रीदेवी की बेटी हैं इसलिए है ?**

अगर मैं यह कहती हूं कि मुझे 'लवयापा' रिलीज का कोई तनाव नहीं तो मैं झूठ बोल रही हूं। हां, जैसे हर एक्टर को उसकी फिल्म रिलीज के समय जो तनाव होता है, मैं भी वैसा ही तनाव और बेचैनी महसूस कर रही हूं। यह तनाव श्रीदेवी की बेटी होने का नहीं है।

**कहा जाता है कि आपकी मम्मी श्रीदेवी नहीं चाहती थीं उनकी बेटियां फिल्मों में अपना करियर बनाएं, लेकिन आप दोनों ने फिल्मों को ही अपना करियर बनाया ?**

मम्मी एक जनरल स्टेटमेंट कर गईं, लेकिन उनके इस स्टेटमेंट के पीछे बतौर मां कंसर्न था, हम बेटियों के प्रति चिंता थी। इसकी एक मुख्य वजह यह है कि यह एक कड़वी सच्चाई है कि एक्टिंग की दुनिया में सिर्फ ग्लैमर, ऐशो-आराम और पैसा ही नहीं होता, इसके पीछे और भी कई चीजें हैं अनगिनत मेंटल प्रेशर, खुद का मेंटल-फिजिकल फिटनेस मेंटेन करना, जितनी तारीफ मिलती है, उससे दुगुनी आलोचना भी सहनी पड़ती है। अगर ऐसी नेगेटिव बातें कलाकार झेल नहीं सकता तो वो कैसे एक्टिंग में टिक पाएगा? एक्टिंग वर्ल्ड में काम करना है तो आपकी स्किन मोटी होनी चाहिए ताकि आप आलोचनाओं के वार झेल सकें वरना मुश्किल होगी। मम्मी को इन बातों की गारंटी नहीं थी कि उनकी बेटियां इस तरह के तनाव झेल सकेंगी? आसान नहीं है एक्सटर्नल-इंटरनल प्रेशर को मैनेज करना, जब हम स्टार हीरोइन श्रीदेवी की बेटियां हैं।

**आपने खुद को कैसे तैयार किया इन सभी तनावों को फेस करने के लिए ?**

जैसा कि मैंने कहा, मैं बहुत इंट्रोवर्ट नेचर की हूं, लेकिन एक्टिंग करने से आपमें कॉन्फिडेंस अपने आप बढ़ने लगता है। जब कैमरा रोल होता है तो सेट पर कई आंखें होती हैं, जो आपको परफॉर्म करते, संवाद बोलते, गलतियां होते भी देखती हैं। इन सभी से गुजरते हुए धीरे-धीरे झिझक दूर होती है, कॉन्फिडेंस बढ़ता है, वक्त के साथ आलोचनाओं से लड़ने की शक्ति भी मिलती है।

**क्या आपकी मां श्रीदेवी की किसी फिल्म का रिमेक बने तो उस फिल्म को करना चाहेंगी ?**

मम्मी की किसी भी फिल्म का मैं रिमेक नहीं कर सकती, क्योंकि जो परफॉर्मेंस उन्होंने अपने किरदारों में दिया है, वो मेरे बस की बात नहीं है।

**'द आर्चीज' को पसंद नहीं किया गया। क्या इस बात का आपको मलाल है ?**

'द आर्चीज' में जितने भी कलाकार थे, हम सभी न्यूकमर थे। पर्सनल लाइफ में एक-दूसरे के फ्रेंड्स थे। जोया अख्तर जैसी मंझी हुई निर्देशिका के साथ काम करने से हमें एक्टिंग की बारीकियां सीखने का मौका मिला। 'द आर्चीज' एक ग्रेट लर्निंग एक्सपीरियंस था।

**आपकी आने वाली फिल्में कौन सी हैं ?**

'लवयापा' फिल्म के बाद इब्राहिम अली खान के साथ 'नादानियां' फिल्म रिलीज होगी। उसके बाद भी कई फिल्में लाइन में हैं, जिसके बारे में अभी बात नहीं कर सकती। ❋

# अग्र सेवा समिति परिवार ने गौवंश को 38 सवामणी गौ आहार व दाना-चुग्गा खिलाया

❑ राम-नाम संकीर्तन में बालाजी महाराज को फलों व ड्राई फ्रूट की 31 सवामणी का लगाया भोग : किशन खारीवाल ❑ 'आयो उत्सव म्हारै बाबे को...' में अग्र सेवा समिति परिवार द्वारा 131 सवामणियों का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया जाएगा

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** सिद्धपीठ श्री झांकी वाले बालाजी महाराज की प्रेरणा से अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार द्वारा बसंत पंचमी पर्व के उपलक्ष्य में गौवंश को गौ आहार की 36 सवामणी खिलाकर सेवा कार्य किया गया। अध्यक्ष किशन खारीवाल ने बताया कि सुखाडि?ा सर्किल स्थित श्रीगौशाला में आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धाभाव से गौवंश को 34 सवामणी हरा चारा, एक सवामणी गुड़ व एक सवामणी फलों की खिलाई गई। इस सेवा कार्य में नाकोडा वाले बालाजी, कार्तिक मिड्ढा तथा अभिनव-वन्दना खारीवाल का विशेष सहयोग रहा। तत्पश्चात् श्रीगौशाला प्रांगण स्थित पक्षी विहार में पक्षियों को 2 सवामणी दाना-चुग्गा खिलाया गया, जिसमें स्व. विजय बंसल की पावन स्मृति में परू-कपिल बंसल का एक सवामणी का सहयोग रहा तथा एक सवामणी गुप्तदान से खिलाई गई।

अध्यक्ष किशन खारीवाल ने बताया कि सेवा कार्यों के तहत पुरानी आबादी उदाराम चौक स्थित सिद्धपीठ श्रीझांकी वाले बालाजी मंदिर में आयोजित राम-नाम संकीर्तन में बालाजी महाराज को फलों व ड्राई फ्रूट की 31 सवामणी का भोग लगाया गया। इस सेवा कार्य में समाजसेवी अशोक चांडक तथा नगर परिषद पूर्व सभापति श्रीमती करूणा चांडक द्वारा 21 सवामणी का सहयोग रहा तथा 10 सवामणी अग्र सेवा समिति परिवार सदस्यों के सहयोग से लगाई गई।

उन्होंने बताया कि इसी कड़ी में सिद्धपीठ श्री झांकीवाले बालाजी भजन मंडल ट्रस्ट द्वारा 6 फरवरी से 10 फरवरी, 2025 तक आयोजित 'आयो उत्सव म्हारै बाबे को...' 5 दिवसीय अखण्ड राम नाम जाप एवं स्वर्णिम महोत्सव में अग्र सेवा समिति परिवार द्वारा ड्राई फ्रूट, मिठाई, समोसा, पान, चॉकलेट तथा फलों की 131 सवामणियों का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया जाएगा। अध्यक्ष किशन खारीवाल ने अग्र समिति परिवार की सेवा गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक माह गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौमाता को हरा चारा, गुड़ व केले, फल आदि खिलाने के साथ-साथ पक्षियों को दाना-चुग्गा खिलाया जाता है। स्वर्णिम महोत्सव में सवामणी लगाने के लिए इच्छुक श्रद्धालु-भक्तजन तथा नियमित रूप से चल रहे गौ सेवा प्रकल्प के तहत गौवंश के लिए गुड़ व हरे चारे तथा पक्षी विहार में पक्षियों के लिए दाना-चुग्गा की सवामणी लगाने के इच्छुक गौभक्त व जीव प्रेमी समिति परिवार अध्यक्ष किशन खारीवाल मो.नं. 9413376500 से सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर किशन खारीवाल, नितिन खारीवाल, योगेश मंगल, दिनेश गुप्ता, रमेश बंसल, अनमोल सिंगल, प्रिंस गोयल, कपिल बंसल, संतोष खारीवाल, सुनयना अग्रवाल, किरण अग्रवाल, अनिल वालिया, विद्या गोयल, परू बंसल सहित सहित अग्र सेवा समिति, युवा अग्र सेवा समिति तथा महिला अग्र सेवा समिति परिवार पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

# इस्कॉन के राधा गोपीनाथ मन्दिर का शिलान्यास हुआ

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी के सामने इस्कॉन के राधा-गोपीनाथ मन्दिर का शिलान्यास रविवार सुबह हुआ। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए भक्तों में जबरदस्त उत्साह रहा। मंदिर संचालक श्रीभगवान दास ने बताया कि शिलान्यास, हवन यज्ञ एवं वास्तु पूजा के मौके पर हरिनाम संकीर्तन तथा प्रवचन भी हुए। इस्कॉन राजस्थान के जोनल सुपरवाइजर पंचरत्न दास, गोवर्धन (वृंदावन) के असीता कृष्णा स्वामी तथा भूमि दानदाता डॉ. महेश माहेश्वरी विशेष अतिथि थे। विधायक जयदीप बिहानी की ओर से 11 लाख रुपए सहयोग की घोषणा की गई, अजय गुप्ता सहित अनेक भक्तों ने भी मंदिर के लिए सहयोग का ऐलान किया। इस विशेष मौके पर कितने ही भक्त ईंट को अपने घर से सजा कर लाए थे, विशेष रूप से तैयार विशाल हवनकुण्ड में वैदिक मंत्रो के साथ यजमानों ने आहूति दी। दिल्ली से आई इस्कॉन की विशेष टीम के पुजारियों ने विधि विधान से पूजन करवाया। भजनों की सरिता पर भक्त खूब झूमे। प्रबंध समिति के चेयरमैन बलराज मित्तल, वाइस चेयरमैन वेदप्रकाश लखोटिया, सचिव मूलचंद गेरा, कोषाध्यक्ष रमेश खदरिया, मंदिर निर्माण कमेटी के चेयरमैन संजय महिपाल, वाइस चेयरमैन अजय गुप्ता व पवन गोयल, प्रचार समिति के चेयरमैन सुशील अग्रवाल, वाइस चेयरमैन विकास सिहाग, कार्यक्रम देखरेख समिति के कपिल बंसल, नरेंद्र चांगिया, ओजस्वी गोयल, प्रवीण छाबड़ा, डॉ. राकेश गोयल, रमन बिहाणी, सुभाष गोयल, राजेन्द्रप्रसाद ढिढ़ारिया सहित पूरी टीम मंदिर के लिए जुटी हुई है। समारोह में अंध विद्यालय के निजानन्द जी महाराज, बिहानी ट्रस्ट के महासचिव हिमांशु बिहानी, टांटिया यूनिवर्सिटी की चेयरपर्सन सुनीता टांटिया सहित बड़ी संख्या में भक्त जन मौजूद रहे। मारवाड़ी युवा मंच के सौजन्य से भोजन प्रसाद की व्यवस्था की गई। टांटिया यूनिवर्सिटी के एनसीसी कैडेट्स ने भी सेवा दी।

# बसंत पंचमी व स्थापना दिवस पर हेल्प इंडिया फाउंडेशन राजस्थान ने हॉस्पिटल में बांटे फल

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** समाजसेवी संस्था हेल्प इंडिया फाउंडेशन राजस्थान के स्थापना दिवस व बसंत पंचमी केअवसर पर टीम के सदस्यों द्वारा श्रीगंगानगर स्थित सरकारी अस्पताल कच्ची बस्ती, व एक्जाम में तैनात पुलिस कर्मियों को फ्रूट बांटकर स्थापना दिवस व बसंत पंचमी मनाई ।संस्था के सचिव संजीव नागपाल ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य समाजसेवा के कार्य करना हे उसी के चलते सरकारी हस्पताल में फिजिशियन डॉक्टर मनोज आसेरी,डॉक्टर रामकुमार सिहाग डॉक्टर सुभाष बेनीवाल ने जिला हस्पताल में इस नेक कार्य की शुरुआत मरीजों को फ्रूट वितरण कर की ।इसके बाद टीम द्वारा हॉस्पिटल के सभी वार्डो,कच्ची बस्ती,एग्जाम में तैनात पुलिस कर्मियों को फल वितरण किए। जिला अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा संस्था के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर संस्था अध्यक्ष विनोद राजपूत,सचिव संजीव नागपाल,महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉक्टर लक्ष्मी बदरा,गंगा गेहाणी सहित डॉक्टर भी उपस्थित थे।

# बसंत पंचमी पर जरूरतमंद महिलाओं को कम्बल वितरित

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** महावीर इंटरनैशनल श्रीगंगानगर के तत्वावधान में बसंत पंचमी सरस्वती जयंति एवं गुप्त नवरात्रों के शुभ अवसर पर स्थानीय पुलिस लाइन स्थित महात्मा गाँधी विद्यालय नं. 5 में 57 जरूरतमंद महिलाओं को कम्बल वितरित किए गए। कार्यक्रम में मंत्री राजेश बोरड़, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता, प्रोजेक्ट चेयरमैन रतन बगडिया व प्रधानाचार्या रिम्पा तलवार, विशिष्ठ अतिथि के रूप में विष्णु भगवान गोयल, इन्दूभूषण चावला, अर्जुन चौहान, ज्योति, कौशल चौधरी, चिराग पुन्यानी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या रिम्पा तलवार ने महावीर इंटरनैशनल के सभी पदाधिकारियों व उपस्थित अतिथियों का विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत व अभिनन्दन किया व इस पुनीत कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए सभी को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम के संयोजक राजेश बोरड़ ने अपने सम्बोधन में बसंत पंचमी व गुप्ता नवरात्रों की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिस प्रकार बसंत में चारों तरफ पुष्प खिले हुए हैं उसी प्रकार सभी भारतीयों के जीवन में सदा उमंग का संचार हो। ज्ञान, कला एवं संगीत की देवी माँ सरस्वती सभी को सुख समृद्धि प्रदान करे। राजेश गुप्ता ने कहा कि बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा निराली व वन वाटिकाओं में अद्भुत सुंदरता दिखाई देती है। पौधों पर नई-नई कोपले आ जाती हैं, पुष्प खिल जाते हैं और उनकी महक से चारों ओर का वातावरण सुगंधित हो जाती है। चारों और सुगंधित बयार बढने् लगती है। वन-वाटिकाओं में पक्षियों के कलख, कोयल की कूक में मनामुग्ध स्वर सुनाई देते हैं। रतन बगडिया ने गुप्ता ने कहा कि यह बसंत सभी के जीवन में प्रेम और खुशियां भरे। गुप्त नवरात्रें के अवसर माँ भगवती के दर्शन करें माता रानी की कृपा आप पर और आपके परिवार पर सदा बनी रहे।

# हरियाणा में एक दिन की छुट्टी घोषित: दिल्ली चुनाव को लेकर फैसला

**जनमार्ग न्यूज**

**चंडीगढ़।** हरियाणा सरकार ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, बोर्डों और निगमों में 5 फरवरी को सवेतन अवकाश घोषित किया है। इस अवकाश से राज्य सरकार के कर्मचारियों, जो दिल्ली के पंजीकृत मतदाता हैं, को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिलेगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ÷पराक्रम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 25 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1996 में संशोधित) की धारा 135-बी के तहत यह प्रावधान उन कर्मचारियों पर लागू होता है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के पंजीकृत मतदाता हैं, जिससे उन्हें आम चुनाव में अपना वोट डालने की अनुमति मिलती है।÷

ऑर्डर में ये दिया गया हवाला

सरकार के द्वारा जारी किए गए ऑर्डर में आगे कहा गया है कि हरियाणा में कारखानों, दुकानों और निजी प्रतिष्ठानों के कर्मचारी जो दिल्ली के पंजीकृत मतदाता हैं, उन्हें भी इस उद्देश्य के लिए सवेतन छुट्?टी का अधिकार है। 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव 5 फरवरी को होंगे और मतों की गिनती 8 फरवरी को होगी।

**क्या होता है सवेतन अवकाश**

सवेतन अवकाश का मतलब है, जब कर्मचारियों को काम से छुट्टी मिलती है और उन्हें वेतन मिलता है। सवेतन अवकाश में छुट्टियां, बीमारी, और पारिवारिक आपात स्थितियां शामिल होती हैं. यह कर्मचारियों के लिए एक मूल्यवान लाभ है। सवेतन अवकाश की संख्या और प्रकार कंपनी से कंपनी अलग-अलग हो सकते हैं।

सवेतन अवकाश की नीतियां, संगठन की जगह और कानूनी जरूरतों पर निर्भर करती हैं। ये अवकाश, कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

# भाविप के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न

## तरसेम तायल तीसरी बार अध्यक्ष तथा रवि सोनी दूसरी बार सचिव एवं संजीव सिंगल पुनः कोषाध्यक्ष बने

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** भारत विकास परिषद, प्रताप शाखा, श्रीगंगानगर के चुनाव पर्यवेक्षक राजेश कामरा की मौजूदगी में सुखाडिया सर्किल रामलीला मैदान के समीप रविवार सायं आयोजित बैठक में सत्र 2025-26 के लिए सर्वसम्मति से चुनाव सम्पन्न हुए। माँ भारती तथा स्वामी विवेकानन्द के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर वंदे मातरम् गायन के बाद चुनाव कार्यवाही शुरू की गई। सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद हेतू तरसेम तायल, सचिव पद हेतु रवि सोनी तथा कोषाध्यक्ष पद हेतू संजीव सिंगल के नाम का प्रस्ताव रखा गया, जिसे बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से पारित किया। चुनाव पर्यवेक्षक राजेश कामरा सहित बैठक में मौजूद सदस्यों ने तीसरी बार अध्यक्ष बनने पर तरसेम तायल तथा दूसरी बार सचिव बनने पर रवि सोनी एवं पुन कोषाध्यक्ष बनने पर संजीव सिंगल को फूलमालाएं पहनाकर शुभकामनाएं दी तथा प्रताप शाखा द्वारा सामाजिक सरोकारों में निभाई जा रही अग्रणी भूमिका की सराहना की। नई कार्यकारिणी का कार्यकाल 1 अप्रैल, 2025 से शुरू होगा। इस अवसर पर भारत विकास परिषद प्रताप शाखा श्रीगंगानगर के अनेक सदस्य उपस्थित थे। बैठक के अंत में सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष चंद्रेश जैन ने समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

# एकता मंच महिला शक्ति ने मनाया बसंत पंचमी पर्व

**श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)।** एकता मंच महिला शक्ति ने बसंत पंचमी उत्सव उत्साह पूर्वक मनाया। अध्यक्ष मंजू गर्ग ने बताया सर्वप्रथम सभी सदस्यों ने विद्या की देवी सरस्वती मां को पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा बसंत पंचमी से संबंधित रोचक गेम खेले गए, चार समय पाबंदी पुरस्कार, चार लकी पुरस्कार निकाले गए एवं प्रश्नोत्तरी पूछी गई। इस अवसर पर अध्यक्ष मंजू गर्ग, शैली बंसल, संतोष लड्ढा, ममता खारीवाल, मीनू गुप्ता, अनीता अग्रवाल, मीना झूंथरा, पूजा गुप्ता, रचिता अग्रवाल, हेमलता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,सुमन जिंदल, पूनम जैन, मोनिका बंसल, ललिता बंसल, मंजू साहूवाला, कांता मोदी, बबीता गोयल, अर्चना गोयल, बबीता अग्रवाल, सुमन मोदी, नीना लीला, रितिका लीला, रीटा अग्रवाल, संगीता झूंथरा, परम शर्मा इत्यादि सदस्य उपस्थित रहे।

# भीम आर्मी की बैठक में जिला कार्यकारिणी का विस्तार

## निर्मल सहोता जिला सचिव तथा महेन्द्र साहू तहसील अध्यक्ष नियुक्त

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** भीम आर्मी भारत एकता मिशन, श्रीगंगानगर की मीटिंग जिलाध्यक्ष सोहनलाल जनागल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जी ब्लॉक स्थित जिला कार्यालय पर हुई इस बैठक में जिला, तहसील व नगर पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष विनयरतन सिंह के श्रीगंगानगर जिले के दौरे सहित संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विचार-विमर्श के पश्चात् जिलाध्यक्ष सोहनलाल जनागल द्वारा गजसिंहपुर तहसील अध्यक्ष निर्मल सिंह सहोता को पदमुक्त कर जिला कार्यकारिणी में शामिल करते हुए जिला सचिव का दायित्व सौंपा गया तथा महेन्द्र कुमार साहू को गजसिंहपुर तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पूर्व से और अधिक सक्रिय होकर संगठन एवं सर्व समाज के हित में कार्य करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सोहनलाल जनागल, जिला उपाध्यक्ष श्योपतराम, श्रीगंगानगर नगर अध्यक्ष रामकुमार, जिला महासचिव रवि कुमार मेघवाल, जिला सचिव भागीरथ, जिला उपाध्यक्ष मनोज जाटव, श्रीगंगानगर तहसील अध्यक्ष रामप्रताप साहू, गजसिंहपुर तहसील अध्यक्ष महेन्द्र कुमार साहू, पदमपुर तहसील अध्यक्ष वेदप्रकाश बौद्ध पदमपुर तहसील मीडिया प्रभारी लक्ष्मण मेघवाल, रत्तेवाला ग्राम पंचायत मीडिया प्रभारी नवदीप मेघवाल सहित भीम आर्मी भारत एकता मिशन श्रीगंगानगर पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

# हरियाणा आईएमए की हड़ताल पर फैसला आज

**जनमार्ग न्यूज**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के 600 निजी अस्पताल आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज और ऑपरेशन को लेकर 3 फरवरी यानी आज फैसला लेंगे। अस्पतालों पर सरकार का 400 करोड़ रुपए बकाया होने के कारण इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (ढ्ढरू) की हरियाणा इकाई ने हड़ताल की घोषणा की है। वित्तीय दिक्कतों के चलते निजी अस्पताल अब इसे जारी रखने में असमर्थ हैं। आईएमए ने हरियाणा सरकार को बकाया भुगतान के लिए एक सप्ताह का समय दिया था। आईएमए की हड़ताल की चेतावनी को देखते हुए सरकार ने आईएमए को बैठक के लिए बुलाया है। सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। हड़ताल को लेकर आगे की रणनीति सरकार के आश्वासन के बाद ही तय की जाएगी।

केंद्र सरकार ने 2018 में एक वर्ष में प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक की मुफ्त स्वास्थ्य सेवा देने के लिए आयुष्मान योजना की शुरुआत की थी। इसका लाभ 2.5 लाख रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवार और बुजुर्ग उठा सकते हैं। हरियाणा में लगभग 1,300 अस्पताल आयुष्मान भारत के साथ सूचीबद्ध हैं, जिनमें 600 प्राइवेट हॉस्पिटल हैं। राज्य में लगभग 1.2 करोड़ लोगों को इस योजना से जोड़ा गया हैं। आईएमए (हरियाणा) के अध्यक्ष डॉ. महावीर जैन के मुताबिक, इस योजना में राज्य सरकार ने कई महीनों से भुगतान नहीं किया है, इस कारण हॉस्पिटल्स की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

# बसंत पंचमी पर मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

**जनमार्ग न्यूज**

**सूरतगढ़।** बसंत पंचमी पर मंदिरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान विद्यादायिनी मां सरस्वती जी के जन्मोत्सव पर विशेष पूजा की गई, वहीं खाटू वाले श्याम बाबा का वर्ष में एक बार बदलने बागा को बदलकर नया बागा पहनाया गया। आदर्श कॉलोनी स्थित प्राचीन बाबा रामदेव मंदिर में सरस्वती पूजन व श्याम बाबा का बसंत महोत्सव श्रद्धा व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान श्याम बाबा का दिल्ली के पुष्पों से श्रृंगार अंकुर शर्मा, समीर सिंधी व हैप्पी बारासा परिवार की ओर से करवाया गया। श्याम भरोसे श्रृंगार मंडल के राजू राजदेव, दीपक जनवेजा, संचित अरोड़ा, नीलम गोयल, करण सिंधी, पंकज मिढ्ढा, लक्की डामरा ने भव्य श्रृंगार किया। इस दौरान श्याम लाड़ली वैष्णवी जनवेजा, मिताली अरोड़ा, दिनेश बावरा, सुनील जाखड़, दीपिका मुंजाल, अनामिका सारसर, पायल सेठिया ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया। पुजारी पं. मोहनलाल उपाध्याय ने विधिवत पूजा अर्चना कर आरती के बाद प्रसाद वितरित किया। इसके अलावा श्याम बाबा का आलोकित बागा सभी को वितरित किया गया। इसके अलावा सैनी मोहल्ले स्थित श्याम मंदिर में भी पुजारी पं. देवीलाल शास्त्री ने विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ पूजन कर नया बागा पहनाया। आरती व स्तूति के बाद प्रसाद बांटा गया। श्याम सखा व महिला मंडल ने भी प्राचीन शनि मंदिर पर स्थित कार्यालय में श्याम बाबा का पंचामृत स्नान कर नया बागा पहनाया। कार्यालय प्रभारी अशोक भार्गव, अध्यक्ष सोनू बवेजा, वरिष्ठ सदस्य नरेश नागपाल, जोनी नागपाल, मनोज गुप्ता, मोहित भोजक आदि पूजा अर्चना में शामिल हुए।

# वीर हकीकत राय का बलिदान दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया

## बसंत पंचमी पर विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी राजस्थान द्वारा प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल के नेतृत्व में बसंत पंचमी पर्व तथा वीर हकीकत राय का बलिदान दिवस मनाया गया। एच ब्लॉक में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। तत्पश्चात् वीर हकीकत राय को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल ने वीर हकीकत राय की जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वीर हकीकत राय पुरी का जन्म 1719 में पंजाब के सियालकोट नगर में हुआ था। वे अपने पिता भागमल पुरी के इकलौते पुत्र थे। भागमल व्यापारी थे, पर उनकी इच्छा थी कि उनका पुत्र पढ़ लिखकर बड़ा अधिकारी बने। इसलिए उन्होंने हकीकत राय को एक मदरसे में फारसी सीखने भेजा। इस मदरसे में पढने् वाले अधिकांश छात्र मुसलमान थे और पढ़ाने वाले मौलवी जी थे। अपनी प्रतिभा और कुशाग्र बुद्धि के कारण हकीकत राय ने मौलवी जी का मन जीत लिया। मदरसे से लौटते समय छात्र अनवर और रसीद ने कबड्डी खेलने का आमंत्रण दिया। हकीकत राय ने खेलने के प्रति अपनी अनिच्छा प्रकट की पर जब वे दोनों बार-बार आग्रह करने लगे तो हकीकत राय ने कहा कि 'भाई माता भवानी की सौगंध आज मेरा खेलने का बिल्कुल भी मन नहीं है।' इस पर अनवर ने कहा- 'अबे भवानी मां के बच्चे एक पत्थर के टुकड़े को मां कहते हुए तुझे शर्म आनी चाहिए, मैं तुम्हारी देवी को सड़क पर फेंक दूंगा जिससे रास्ता चलते लोग लातों से तुम्हारी मां भवानी की पूजा कर करेंगे।' माता भवानी के प्रति इन अपशब्दों को सुनकर हकीकत राय के स्वाभिमान को चोट पहुंची। तिलमिलाकर उसने कहा- 'यदि यही बात मैं तुम्हारी पूज्य फातिमा बीवी के लिए कह दूं तो तुम्हें कैसा लगेगा' अनवर ने क्रोध में भरकर कहा- 'हम तुम्हारे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर देंगे।' बात बढ़ गई। पास-पड़ोस के लोग इकट्ठे हो गए। मौलवी जी को बुलाया गया। मौलवी जी ने हकीकत राय से क्षमा मांगने के लिए कहा। इस पर हकीकत राय ने कहा- 'मैंने कोई गुनाह नहीं किया तो मैं क्षमा क्यों मांगू।' इस पर लड़कों ने हकीकत राय को बांध लिया और काजी के पास ले गए। घटना का पूरा विवरण सुनकर काजी ने हकीकत राय से पूछा- 'क्या तुमने रसूलजादी फातिमा बीवी को गाली दी' हकीकत राय ने साफ-साफ सारा विवरण बताया। इस पर काजी भड़क गया और उसने निर्णय सुनाते हुए कहा - 'इस लड़के को यदि अपनी जान बचानी है तो उसे इस्लाम कबूल करना होगा।' हकीकत राय ने यह सुनकर शेर की तरह गरज कर कहा - 'मैं अपना धर्म छोडकर इस्लाम कभी नहीं स्वीकार करूंगा।' कुछ देर बाद मामला हकीम शाह नाजिम के पास पहुंच गया। हकीम ने भी पूरी घटना का विवरण सुना। तब हकीम ने कहा कि अच्छा अब हम खुद हकीकत से पूछ कर फैसला करेंगे। बालक हकीकत राय को दरबार में उपस्थित किया गया। हकीम ने हकीकत राय से अपनी जीवन रक्षा के लिए वही शर्त रखी जो काजी ने रखी थी। पर हकीकत राय ने तब भी अपने निर्णय पर अटल रहते हुए कहा - 'अपने धर्म को त्याग कर पाई गई जिंदगी से मौत हजार गुना श्रेष्ठ है, मैं अपने प्राण दे दूंगा परंतु अन्याय के सामने नहीं रुकूंगा।' अंत में हकीकत राय को तत्कालीन शासकों की धार्मिक कट्टरता के कारण अपने प्राण गंवाने पड़े। जल्लाद ने एक ही वार से हकीकत राय का सिर काटकर अलग कर दिया। उस समय उनकी आयु मात्र 13 वर्ष की थी। उनकी पत्नी उनकी मृत्यु के साथ सती हो गई और माता-पिता ने पुत्र के वियोग में विलाप करते-करते अपने प्राण त्याग दिए, ऐसे थे हमारे खत्रिय वर्ण के सिरमौर।

# मिड डे मील वर्कर यूनियन सीटू की बैठक संपन्न, 6 को प्रदर्शन का ऐलान

जनमार्ग न्यूज

**हनुमानगढ़।** राजस्थान मिड डे मील वर्कर यूनियन सीटू की एक महत्वपूर्ण बैठक आज भगत सिंह यादगार केंद्र, लाल चौक पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन की जिला अध्यक्ष कामरेड चंद्र कला वर्मा ने की। इस अवसर पर यूनियन के राज्य महासचिव कामरेड बाबूलाल लुगरिया, राज्य उपाध्यक्ष कामरेड सुमित्रा चोपड़ा, मजदूर नेता कामरेड रामेश्वर वर्मा, जिला अध्यक्ष कामरेड आत्मा सिंह, जिला महासचिव कामरेड शेर सिंह शाक्य और जिला कोषाध्यक्ष कामरेड बहादुर सिंह चौहान मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मिड डे मील वर्करों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने वर्करों के न्यूनतम वेतन, नियमितीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कामकाजी परिस्थितियों को बेहतर बनाने की मांग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मिड डे मील वर्कर देश की शिक्षा और पोषण योजनाओं की रीढ़ हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें बेहद कम वेतन और सुविधाएं दी जाती हैं। बैठक में संगठन को मजबूत करने और वर्करों के अधिकारों के लिए तीखा संघर्ष करने की रणनीति बनाई गई। इस क्रम में संयोजक मंडल का गठन किया गया। पुष्पा देवी (चक ज्वाला सिंह वाला) को संयोजक और सरिता सोनी को सह संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में सगीता देवी, पुष्पा देवी, रितू देवी, सुमन, सीता देवी, प्रकाश कौर, जसवीर कौर, मरियम बेगम, जसपाल कौर, विधा देवी, रिता देवी, रविता देवी और नेवल विधा देवी सहित कई सदस्य उपस्थित रहीं। सभी ने मिड डे मील वर्करों के अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया। बैठक के अंत में यह निर्णय लिया गया कि 6 फरवरी 2025 को मिड डे मील वर्करों की समस्याओं के समाधान हेतु जिलाधीश कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा और एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस प्रदर्शन का उद्देश्य सरकार का ध्यान मिड डे मील वर्करों की समस्याओं की ओर आकर्षित करना और उनके अधिकारों की मांग को मजबूती से उठाना है।

# गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर खालसा नगर में उमड़ी श्रद्धा

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** खालसा नगर और पंजाबी सिटी के समूह निवासियों द्वारा साहिब-ए-कमाल गुरु गोबिंद सिंह का प्रकाश पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। 31 जनवरी से 2 फरवरी तक चले इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। खालसा नगर स्थित गुरु गोबिंद सिंह पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में सुबह 9 बजे से 12:30 बजे तक कीर्तन एवं कथा दीवान का आयोजन किया गया। जिसमें रागी जत्थों ने गुरुवाणी का भावपूर्ण गायन कर संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथावाचकों ने गुरु गोबिंद सिंह के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अखंड पाठ साहिब का भी आयोजन किया गया, जिसके पाठ ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया। श्रद्धालुओं ने गुरु के

लंगर में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया और सभी ने मिलकर गुरु साहिब की शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प लिया। इस सफल आयोजन के लिए समूह खालसा नगर एवं पंजाबी सिटी निवासियों को बधाई।

# सर्व समाज की बैठक, एकता की अपील

जनमार्ग न्यूज

**हनुमानगढ़।** शनिवार को जंक्शन की प्रजापति कुम्हार धर्मशाला में सर्व समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए और एक सुर में यह आरोप लगाया कि जाट समाज के कुछ लोग सर्व समाज का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बैठक एक सामूहिक प्रयास थी, जिसका उद्देश्य समाज में समरसता बनाए रखना और जातिवाद की राजनीति को रोकना था।

बैठक में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें सुमित रणवां (जाट समाज), संत प्रकाशनाथ उर्फ रामप्रताप (सामाजिक समरसता न्याय मंच), मनोज सैनी, सुरेन्द्र सैनी (सैनी समाज), हरदीप सिंह, पाल सिंह (सिख समाज), अब्दुल हाफिज (मुस्लिम समाज), मनीराम कारगवाल, मोहनलाल डाल (कुम्हार समाज), कृष्ण गहलोत, गजेन्द्र सैन विजय कृष्ण जाखड़ (सैन

समाज), निरंजन नायक (नायक समाज), मुकेश भार्गव (भार्गव समाज), संतराम जिन्दल इन्द्रजीत जी (अग्रवाल समाज), सिंगाराम भाट (भाट समाज), प्रमोद सोनी, जैकी सोनी (सोनी समाज), पुनीत अरोड़ा (अरोड़ा समाज), तरसेम सिंह, हरबंस औलख (मजहबी सिख समाज) जैसे प्रमुख प्रतिनिधि शामिल थे।

बैठक में सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर यह कहा कि जाट समाज के कुछ लोग ओछी राजनीति कर रहे हैं और जातिवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। उनका आरोप था कि हाल ही में विधायक गणेशराज बंसल ने जो बयान दिया था, वह केवल मूल ओबीसी वर्ग की पीड़ा को व्यक्त करने के लिए था। लेकिन कुछ लोगों ने इसे अपनी राजनीति के लिए गलत तरीके से पेश किया। उनका कहना था कि अब हनुमानगढ़ में अग्रवाल समाज के एक व्यक्ति के विधायक बनने से कुछ लोगों को परेशानी हो रही है। ये लोग चाहते हैं कि केवल जाट समाज का व्यक्ति ही विधायक बने और अन्य समाजों को अपनी जगह न मिले। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि मूल ओबीसी वर्ग के लोग पिछले 25 वर्षों से अपनी समस्याओं और पीड़ाओं को दोनों विधायकों के समक्ष रख रहे थे, लेकिन किसी विधायक ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया। हनुमानगढ़ में यह पहली बार हुआ है कि एक विधायक ने मूल ओबीसी के हक की बात की है। इसके बाद कुछ लोग जो जातिवाद की राजनीति करते हैं, उन्हें यह बात बुरी लग रही है। इस बीच, एक सोशल मीडिया पोस्ट का भी उल्लेख किया गया, जिसमें कहा गया था कि जाट अगर अनाज नहीं देगा तो मूल ओबीसी गोबर खाएगी क्याड़ इस तरह के बयान से सर्व समाज के लोग आहत हुए और उन्होंने इसे समाज में फूट डालने की कोशिश बताया।

सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर यह निर्णय लिया कि अगर प्रशासन ने इस प्रकार के जातिवादी नेताओं पर कार्रवाई नहीं की, तो सर्व समाज एकजुट होकर महासभा करेगा और अपनी एकता को प्रदर्शित करेगा। इस महासभा के माध्यम से वे यह संदेश देना चाहते थे कि हनुमानगढ़ जैसे शांतिपूर्ण जिले का माहौल बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। उनका कहना था कि यह सिर्फ राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की एकता और भाईचारे का सवाल है।

# नव विद्यालय का विद्यारंभ संस्कार आयोजित

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** आदर्श विद्या मंदिर लीला चौक पुरानी आबादी में नव विद्यालय का शुभारंभ एवं विद्यारंभ संस्कार का आयोजन किया गया। विद्यालय समिति संपर्क प्रमुख नवलकिशोर शर्मा ने बताया कि इस विद्यालय में 3 से 5 वर्ष तक की आयु के 50 बच्चों का विद्या आरम्भ संस्कार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्या आरम्भ के दौरान माँ सरस्वती का पूजन और हवन पंडित दयाशंकर शर्मा के द्वारा करवाया गया। हवन के बाद सभी आए नन्हें-मुन्ने बच्चों का पाटी पूजन भी करवाया गया। पाटी पूजन में बच्चों को स्लेट पर लिखना सिखाया गया, और साथ में उन्हें स्टेशनरी का सामान भी उपहार स्वरूप दिया गया। बड़ी बात यह है कि सभी विद्यार्थी शुल्क देकर ही विद्या आरम्भ संस्कार में उपस्थित हुए। आज के इस कार्यक्रम में प्रबन्ध समिति के गुरुजी प्रेम अग्रवाल झाँकी वाले बालाजी मंदिर, संरक्षक लेखराज खत्री, जिला व्यवस्थापक अशोक अग्रवाल, जिला सचिव मदन बिश्नोई, जिला कोषाध्यक्ष कुलदीप रस्तोगी, अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, संरक्षक नंदू लीला, व्यवस्थापक संदीप रस्तोगी, सहव्यवस्थापक मनोज सोनी, कोषाध्यक्ष सतीश गौतम, सहकोषध्यक्ष अभिषेक ग्रोवर, संपर्क प्रमुख नवल किशोर शर्मा, आशीष राठौड़, मनोज चनाणी अनिल

सरावगी, विजय सरावगी, अमिता शर्मा आचार्य सुरेश, सुमन सहित अनेक अभिभावक व माताएं, बहिने उपस्थित रही। प्रधानाचार्य अनु बिश्नोई आचार्य ने आये हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

# बजट से देश तीव्र गति से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा: आत्माराम तरड़

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** भाजपा किसान मोर्चा पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष तथा पूर्व पंचायत समिति प्रधान आत्माराम तरड़ ने केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा शनिवार को पेश मोदी सरकार 3.0 के पहले आम बजट को किसान, युवा, गरीब, महिला व मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने वाला बताते हुए कहा कि यह मजबूत भविष्य को दर्शाता है। इस बजट से देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा देश तीव्र गति से विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा। आत्माराम तरड़ ने कहा कि केंद्रीय बजट में

वित्त मंत्री द्वारा मध्यम वर्ग को नए टैक्स रिजीम में 12 लाख की कमाई पर टैक्स छूट देने, नौकरीपेशा के लिए 75 हजार स्टैंडर्ड डिडक्शन के साथ टैक्स छूट 12.75 लाख की घोषणा करने, बुजुर्गों के लिए टैक्स में छूट डबल करने, टीडीएस की सीमा 10 लाख रुपये करने, 1 लाख करोड़ रुपए का अर्बन चैलेंज फंड बनाने, शहरी क्षेत्र के गरीबों की आय बढ़ाने की योजना बनाने, एक लाख अधूरे घर पूरे करने व 2025 में 40 हजार नए मकान हैंडओवर किए करने, हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन कार्यक्रम 2028 तक बढ़ाने सहित प्रत्येक वर्ग के जन कल्याणकारी घोषणाएं की गई है। आत्माराम तरड़ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने, पीएम धन-धान्य कृषि योजना से 100 जिलों के 1.7 करोड़ किसानों को फायदा पहुंचाने, युवाओं हेतु स्टार्टअप के लिए 10 हजार करोड़ रुपए का फंड बनाने, 500 करोड़ रुपए से 3 एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) एक्सीलेंस सेंटर बनाने, मेडिकल एजुकेशन में अगले 5 साल में 75 हजार सीटें बढ़ाने, 1 करोड़ गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ प्रदान करने, व्यापारी, एसएमई और बड़े उद्योगों के लिए विनिर्माण मिशन स्थापित करने, एमएसएमई के लिए लोन गारंटी लिमिट 5 करोड़ से बढ?र 10 करोड़ करने, शहरी स्ट्रीट वेंडर्स के लिए पीएम स्वनिधि स्कीम की लोन लिमिट बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने, 100 नए शहर उड़ान योजना से जोडने्, एससी-एसटी की एमएसएमई महिला उद्यमियों के लिए विशेष टर्म लोन योजना की घोषणा, पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं को दो करोड़ का टर्म लोन देने, सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 की शुरुआत करने, सीनियर सिटिजंस के लिए टैक्स छूट दोगुनी करते हुए 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए, कैंसर, दुर्लभ और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए 36 जीवन रक्षक दवाएं पूरी तरह से टैक्स फ्री करने सहित केन्द्रीय वित्त मंत्री द्वारा की गई अनेकों कल्याणकारी बजट घोषणाओं से श्रीगंगानगर जिले सहित पूरे देश की जनता में उत्साह का वातावरण है।

# सक्षम साथिन विकास कार्यक्रम के तहत पांच दिवसीय प्रशिक्षण जारी

जनमार्ग न्यूज

**हनुमानगढ़ ।** सहायक निदेशक महिला अधिकारिता हनुमानगढ़ के तत्वावधान में सक्षम साथिन विकास कार्यक्रम के तहत पांच दिवसीय साथिन प्रशिक्षण का आयोजन न्यू सिविल लाइन,

सामुदायिक भवन, हनुमानगढ़ में किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर कार्यरत साथिनों को सशक्त बनाना एवं उन्हें महिलाओं के अधिकारों और उनके हितों की रक्षा हेतु प्रशिक्षित करना है। शनिवार को प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय दिवस की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ की गई। इस अवसर पर पूर्व के दो दिनों में कराए गए प्रशिक्षण सत्रों की समीक्षा की गई और साथिनों को उनके द्वारा सीखे गए कार्यों का अवलोकन करने का अवसर प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान सुश्री श्रुतिका डागला, श्रीमती संजू बाला सिराव (सुपरवाइजर, महिला अधिकारिता) उपस्थित रहीं। उन्होंने विभागीय मॉड्यूल के अनुसार साथिनों को उनके साप्ताहिक कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इस कार्य को प्रभावी ढंग से करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण के दौरान श्रीमती रेशमा ने महिलाओं के अधिकारों के विषय में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि साथिनें जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य कर समाज में महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने साथिनों को प्रेरित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब वे अपने अधिकारों को जानें और उनका सही उपयोग करें। इसके अलावा, श्रीमती रेखा शर्मा, श्रीमती सुमन और सुश्री रीटा शर्मा द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से साथिनों को उनके कार्यों की व्यावहारिक समझ दी गई और उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया गया।

# रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट को हटाने के लिए 11 फरवरी को प्लांट का होगा घेराव

जनमार्ग न्यूज

**सूरतगढ़।** रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट को हटाने के लिए सूरतगढ़ बचाओ संघर्ष समिति द्वारा 11 फरवरी को प्लांट का घेराव किया जाएगा। रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट को हटाने की मांग को लेकर सैन धर्मशाला में सूरतगढ़ बचाओ संघर्ष समिति संयोजक पूर्व पालिका अध्यक्ष परसराम भाटिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह भादू , युवा नेता योगेश मेघवाल, कामरेड लक्ष्मण शर्मा, कामरेड मदन ओझा, एडवोकेट सखी मोहम्मद, संयुक्त व्यापार संघ के अध्यक्ष घनश्याम आहूजा, आम आदमी पार्टी के पृथ्वीराज जाखड़, कांग्रेस जिला महामंत्री जेपी गिला, कांग्रेस नगर अध्यक्ष जयप्रकाश गहलोत, छात्र संघ अध्यक्ष साहिल गेदर, छात्र संघ अध्यक्ष अक्षर नायक, सतनाम वर्मा, एडवोकेट बलराम कुक्कड़वाल, सुरेश मेहता,

ओमप्रकाश गेदर, जनरल मार्केट एसोसिएशन के ज्ञानचंद बजाज, त्रिमूर्ति मार्केट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद ज्याणी, ओमप्रकाश साबनिया सहित वक्ताओं ने रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट को बंद करवाने की आवाज बुलंद करते हुए वार्डों में कमेटी का गठत करके सभी को जोड़कर 11 फरवरी को रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट के आगे प्रदर्शन करके धरना लगाकर घेराव करने व शहर में बढ़ रहे नशा और लगातार हो रही चोरियों के विरोध में 7 फरवरी को थाने का घेराव करने का आह्वान किया।

बैठक में फौजी लीलाधर स्वामी, इंजीनियर रमेश चंद्र माथुर, पूर्व पार्षद रोहिताश होटला, पूर्व पार्षद मोहम्मद फारूक, आनंद विहार वसंत विहार कॉलोनी के अशोक आहूजा, धर्मवीर शर्मा, रामप्रवेश डाबला, राजेंद्र जाखड़, नाथूराम कलवासिया, मुस्तफा कुरैशी, मुस्ताक अली, मनन संगीत कला केंद्र के मोहम्मद अली कादरी, छगनलाल स्वामी, जगदीश बिश्नोई, मनीष खोरवाल, अमर बिश्नोई, संजय कुमार, सिकंदर खान, बनवारी लाल परिहार, प्रभु सेन सहित वक्ताओं ने विचार रखें।

# आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति की कार्यशाला सम्पन्न

## राष्ट्रीय अध्यक्ष आर पी सिंह ने किया संबोधित

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** आरक्षण बचाओ महा संघर्ष समिति के बैनर तले संविधान बचाओ आरक्षण बचाओ महासभा का आयोजन किया गया जिसको आर पी सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष लखनऊ ने संबोधित किया आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष कालूराम मेघवाल ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि स्थानीय गुरु रविदास मंदिर में आयोजित इस कार्यकर्म की अध्यक्षता रिटायर्ड तहसीलदार कस्तूरी लाल जेसल ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में आरक्षण मंच के संयोजक टीकम चंद भाटिया मेघवाल महासभा के कोषाध्यक्ष पृथ्वी राज मेहरड़ा शुगर मिल गुरु रविदास महा से सरवन कटारिया पूर्व सरपंच राम सिंह पूर्व सरपंच शंकर लाल मेघवाल रिटायर्ड पटवारी पृथ्वी राज मेघवाल एडवोकेट पूर्ण मेघवाल जबर सिंह गौतम आरक्षण मंच के संयोजक राम जी लाल जाटव रिटायर्ड सिंह सुरेश कनवाडिया उपस्थित रहे कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर बी आर अम्बेडकर और संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के चित्रों पर माला अर्पण कर की गई कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर पी सिंह ने बताया कि आज आरक्षण ओर संविधान पर बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है बार बार संविधान में संशोधन के सरकारें संविधान को कमजोर करने में लगी हैं सरकारें सरकारी उपक्रम बेच बेच के प्राइवेट हाथों में दे रही है ताकि एससी एसटी वर्ग के लोगो को नौकरियों नहीं देनी पड़े सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है प्राइवेट स्कूल कॉलेजों में एससी एसटी की सीटें समाप्त की जा रही है ताकि इस वर्ग के बच्चे को उच्च शिक्षा से वंचित रखा जा सके उधर सरकारी व प्राइवेट स्कूल कॉलेजों की फीस इतनी बड़ा दी गई है कि उसमें मध्यम वर्गीय लोग एससी एसटी के गरीब लोग अपने बच्चों को पढ़ने में असमर्थ हैं रेल तेल भेल हवाई अड्डे सब कुछ प्राइवेट हाथों में सौंपकर नौकरियों खत्म की जा रही है सन 2000 के करीब केंद व राज्यों में एससी एसटी वर्ग के 34 लाख कर्मचारी अधिकारी नौकरियों में हुवा करते थे जो आज 2025 में घटकर 14 लाख रह गए हैं जब की मौजूदा सरकारों ने ईमानदारी से आरक्षण के अनुपात में नौकरियों दी होती तो आज एससी एसटी वर्ग के कर्मचारियों की संख्या 34 लाख से बढ़कर करीब 70 लाख होनी चाहिए थी परन्तु हो इसके उल्टा रहा है नौकरियों घटकर 14 लाख रह गई है इसका सीधा सीधा मतलब ये रहा कि सरकार एससी एसटी वर्ग के लोगो को नौकरियां देना नहीं चाह रही है वो डायरेक्ट रूप से आरक्षण खत्म करने की बजाय इन डायरेक्ट रूप से आरक्षण को खत्म करने में लगी हुई है जिसके लिए एससी एसटी वर्ग को सावधान रहने की आवश्यकता है सचेत रहने की आवश्यकता है संगठित होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है अन्यथा संविधान समाप्त हो जाएगा और जब संविधान ही नहीं बचा तो आरक्षण कहा से बचेगा संविधान ही आरक्षण की मूल आत्मा ह और हमारे संतो गुरुओं के द्वारा समानता लाने के संघर्ष का परिफल है इस लिए हमें संविधान हर हाल में बचा के रखना होगा तभी हम अपने हक ओर अधिकारों को बचा के रख पाएंगे और हमारी आने वाली पीठिया सुरक्षित रह पाएगी अगर आज हम सब ने मिलकर संविधान ओर आरक्षण की रक्षा नहीं की तो हमारी आने वाली नस्ले हम माफ नहीं करेगी वो कहेंगी कि तुम लोग महापुरुषों के संघर्षों से प्राप्त हुए अधिकारों को नहीं बचा पाए हमारे मसीहा पूज्य बाबा साहब के द्वारा अपनी चार चार बच्चों को कुर्बानी देकर बनाए गए देश ओर दुनिया के विशाल संविधान की रक्षा नहीं कर पाए तुम लोग कोम के गद्दार लोग हो इस लिए हमें एक दूसरे का साथ देकर कंधे से कंधा मिलाकर महापुरुषों के इस आंदोलन ओर मिशन को आगे बढ़ाने का काम करना होगा और मजबूती के साथ करना इसके लिए आप को घरों से बाहर निकलकर गली मोहले में जाकर तहसील उपखंड ओर अलग अलग जिलों में जाकर लोगों को जगाना होगा और उन्हें इस लडाई को लड़ने के लिए मानसिक रुप से सामाजिक रूप से शारीरिक रूप से ओर आर्थिक रूप से तैयार करना होगा तब कहीं जाकर हमारे हक ओर अधिकार बच पायेंगे हमारा संविधान बच पाएगा हमारा आरक्षण बच पाएगा।

# हर्षोल्लास से मनाया वसंत पंचमी पर्व

जनमार्ग न्यूज

**हनुमानगढ़।** शनिवार को अमृत मॉडल कान्वेंट स्कूल में बसंत पंचमी का पावन पर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह पर्व ज्ञान, संगीत और कला की देवी माँ सरस्वती को समर्पित है। बसंत पंचमी विद्या, बुद्धि और विवेक के उपासकों के लिए विशेष महत्व रखती है। विद्यालय में इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और वंदना से हुई। विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने माँ सरस्वती की पूजा कर विद्या और बुद्धि का आशीर्वाद मांगा। छात्रों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने माँ सरस्वती के महत्व को बताते हुए कहा कि ज्ञान और शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है, और बसंत पंचमी हमें ज्ञान के प्रकाश की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है। विद्यार्थियों ने इस शुभ अवसर पर पीले वस्त्र धारण किए, जो बसंत ऋतु के उल्लास और समृद्धि का प्रतीक है। पूरे विद्यालय परिसर को बसंती रंग के फूलों और रंगीन सजावटों से सुसज्जित किया गया था। छात्रों द्वारा कविता, नृत्य और संगीत से जुड़े कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें उन्होंने अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बसंत पंचमी के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि यह दिन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कृति की आराधना का प्रतीक है।

# भाजपा जिलाध्यक्ष का हुआ स्वागत

**संगरिया ( जनमार्ग न्यूज )।** भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू का आज राठी चौक में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप बेनीवाल द्वारा स्वागत समारोह रखा गया। इस मौके पर प्रदीप बेनीवाल द्वारा जिलाध्यक्ष का पगड़ी व शाल पहनाकर तथा माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। नगर पालिका के पार्षदों व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भी जिलाध्यक्ष का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर नगर मण्डल के बूथ अध्यक्षों का जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू व नगर मंडल अध्यक्ष चरण दास गर्ग द्वारा माल्यार्पण कर व स्वामी विवेकानंद जी का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। नगर पालिका उपाध्यक्ष रीना महंत, पीलीबंगा नगर पालिका अध्यक्ष सुखचैन सिंह, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सोहनलाल मरेजा, पूर्व नगर मण्डल अध्यक्ष श्याम मित्तल, हनुमानगढ़ नगर पालिका पार्षद अर्चित अग्रवाल व गौरव जैन, देहात अध्यक्ष रमनदीप सिंह मंचासीन थे। इस मौके पर सैकड़ों कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। मंच संचालन एड. प्रिंस मिढ़ा व डॉ संजय जिंदल द्वारा किया गया।

# एकल व समूह नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** राजकीय महाविद्यालय, हिंदुमलकोट में आयोजित साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल सप्ताह के चतुर्थ दिवस शनिवार को एकल नृत्य एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालयी छात्राओं ने बड़े चाव से भाग लिया तथा नृत्य द्वारा अपनी कला व प्रतिभा का जलवा बिखेरते हुए मनमोहक प्रस्तुतियों द्वारा सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सरस्वती वंदना से आरम्भ इस प्रतियोगिता को लेकर छात्राओं में भारी उत्साह देखने को मिला। निर्णायकों द्वारा घोषित परिणाम के अनुसार एकल नृत्य प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन से पूजा ने प्रथम, रिंकू ने द्वितीय तथा नीलम ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, समूह नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पूजा एण्ड ग्रुप, द्वितीय स्थान गीता ज्योति एण्ड ग्रुप तथा तृतीय स्थान नीलम एण्ड गुप ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में एंकर की भूमिका ममता गाबा ने बखूबी निभाई तथा हनुमान प्रसाद आर्य एवं सुमन ने कुशलतापूर्वक निर्णायक की भूमिका निभाई। महाविद्यालय प्रबंधन एवं निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह व उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ की सराहना की।

क्ताओं ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि एकल नृत्य एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता ने छात्राओं के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करने के साथ-साथ कला एवं संस्कृति के प्रति उनके रुझान को भी बढ़ावा दिया है। ऐसे आयोजनों से व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है। राजकीय महाविद्यालय हिन्दुमलकोट में मनाए जा रहे साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल सप्ताह के तहत अनेक सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियां आयोजित की जा रही है, जिसमें छात्र-छात्राएँ उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इसी श्रृंखला में आगामी दिनों में भी अनेक रोचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालयी छात्र-छात्राएं तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

# बजट प्रावधानों से औद्योगिक विकास को गति मिलेगी: जिंदल

**श्रीगंगानगर ( जनमार्ग न्यूज )।** दी चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष बंशीधर जिंदल ने संसद में प्रस्तुत आम बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि इस बार बजट नौकरीपेशा, युवा, किसान और उद्यमियों पर केंद्रित रहा। आयकरदातों द्वारा लंबे समय से आयकर में छूट की सीमा बढ़ाने की मांग की जा रही थी। आयकर सीमा 12 लाख कर इस मांग को भी पूरा कर दिया गया। छोटे उद्योगों पर एमएसएमई निवेश की सीमा दोगुनी कर दी गई है तथा टर्नओवर की सीमा भी बढ़ा दी गई है। इससे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। यह बजट देश को चहुंमुखी विकास की तरफ और अग्रसर करेगा।

# डीवीआर साक्ष्य में हेराफेरी का गंभीर मामला: हाईकोर्ट जोधपुर ने कोतवाली थाना अधिकारी को किया तलब

जनमार्ग न्यूज

**पाली.** पाली जिले के बहुचर्चित आपराधिक मामले में पुलिस थाना कोतवाली से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रकरण में याचिकाकर्ती सलमा छीपा की याचिका पर राजस्थान हाईकोर्ट, जोधपुर के न्यायाधीश फरजंद अली ने 30 जनवरी 2025 गुरुवार को आदेश देकर 17 फरवरी 2025 को कोतवाली थाना अधिकारी को तलब किया है। यह मामला शहर प्यारा चौक क्षेत्र के खैरादियों के मोहल्ले में रहने वाली महिला सलमा छीपा द्वारा कैरम की आड़ में अपने घर के सामने जुआ सट्टा चलाने वाले लोगों के विरुद्ध शिकायत करने से जान लेवा हमला करने से जूड़ा हुआ है। जिसमें आरोपी अरमान निहारिया, सरवर उर्फ टीटु, इकबाल खैरादी और अनवर उर्फ मामा को पुलिस ने गिरफ्तार कर आरोपी माना था। अब मामले में मुख्य विवाद इसपर चल रहा हैं कि पुलिस द्वारा महिला सलमा से लिए गए सीसीटीवी कैमरे के डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) इस प्रकरण का एक महत्वपूर्ण साक्ष्य है। याचिकाकर्ता सलमा का आरोप है कि पुलिस ने मेरे मूल डीवीआर और हार्ड डिस्क में हेराफेरी की है और एफएसएल को भेजे गए साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ की गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार, पुलिस ने वास्तविक डीवीआर के बजाय अलग मॉडल नंबर वाले डीवीआर और हार्ड डिस्क को एफएसएल भेजा, जिससे साक्ष्य की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। गत 13 सितंबर 2023 को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सांप्रदायिक दंगा), न्यायालय पाली ने याचिकाकर्ता का प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया था, जिसमें असल डीवीआर को बरामद कर एफएसएल में भेजने की मांग की गई थी। इसके खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका भी जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पाली द्वारा गत 15 दिसम्बर 2024 को खारिज कर दी गई थी। दोनों निचली अदालतों के फैसलों को याचिकाकर्ती सलमा ने अधिवक्ता दिपिका सोनी, अंजलि गहलोत, नेहा कल्ला के जरिए सीआरपीसी की धारा 482 ओर बीएनएसएस की धारा 528 के तहत हाईकोर्ट, जोधपुर में याचिका प्रस्तुत कर चुनौती दी है। याचिकाकर्ती सलमा का कहना है कि एफएसएल रिपोर्ट में उल्लेखित डीवीआर के मॉडल नंबर और पुलिस द्वारा अपनी फर्द जब्ती, फर्द पेशकशी ओर अन्य पुलिस रिपोर्टों में डीवीआर के मॉडल नंबर में भारी अंतर आता है। जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि मामले के साक्ष्यों में हेराफेरी की गई है। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पुलिस अधिकारियों ने आरोपी व्यक्तियों को बचाने के लिए साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की है, और इस कारण मामले की निष्पक्ष जांच पर गंभीर प्रश्न उठे हैं। हाईकोर्ट, जोधपुर द्वारा कोतवाली थाना अधिकारी को तलब किया जाना इस मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे की सुनवाई में पुलिस और अन्य पक्ष क्या तर्क प्रस्तुत करते हैं और हाईकोर्ट क्या निर्णय लेता है। उक्त आपराधिक प्रकरण अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सांप्रदायिक दंगा), न्यायालय पाली में भी विचारणीय है, जिसमें सलमा की ओर से अधिवक्ता अरिहंत चौपड़ा द्वारा न्यायालय में पैरवी की जा रही है।

# सब जूनियर हॉकी प्रतियोगिता 4 फरवरी से पदमपुर में

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** जिला हॉकी संघ श्रीगंगानगर की तरफ से आयोजित जिला स्तरीय मिनी सब जूनियर हॉकी प्रतियोगिता मंगलवार 4 फरवरी को शहीद कैप्टन नवपाल सिंह सिद्धू स्टेडियम पदमपुर आयोजित की जाएगी। जिला हॉकी संघ के सचिव देवेन्द्र सिंह ने बताया कि जिला स्तरीय मिनी सब जूनियर हॉकी प्रतियोगिता भाग लेने वाले खिलाडियों में से चयनित श्रीगंगानगर हॉकी टीम 8-10 फरवरी को अजमेर में आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडियों की आयु 1 जनवरी 2025 को 14 वर्ष से कम होनी चाहिए। जिला हॉकी संघ के सचिव देवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए चयन समिति का गठन किया गया है जो खिलाडियों का चयन करेगी। चयन समिति में रामकृपाल हॉकी कोच, दुर्गेश सिंह शेखावत, कपिल शर्मा, गंगाबिशन शामिल हैं। इस प्रतियोगिता के लिए खोसा हॉकी क्लब के सचिव देवेन्द्र सिंह खोसा को टूर्नामेंट का ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है।

# जनसेवा ट्रस्ट ने उत्साह पूर्वक मनाया बसंत पंचमी महोत्सव

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** जनसेवा ट्रस्ट श्रीगंगानगर द्वारा संस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने के लिए एवं बच्चों में संस्कार जागृत करने के उद्देश्य से स्टार डॉल्फिन्स इंटरनैशनल स्कूल में बसंत पंचमी के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष मनोज चेनानी ने बताया कार्यक्रम में कार्यक्रम प्रभारी मंजू गर्ग द्वारा बसंत पंचमी से संबंधित एवं धार्मिक प्रश्नोत्तरी बच्चों से पूछी गई एवं हाथों हाथ बच्चों को पुरस्कार दिए गए। बच्चों ने पतंगों के माध्यम से कन्या भ्रूण संरक्षण, बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति एवं जागरूकता संबंधी सामाजिक संदेश दिए। कार्यक्रम का प्रारंभ बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति एवं माता सरस्वती जी को पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।कार्यक्रम के प्रारंभ में जन सेवा ट्रस्ट के सचिव सुरेंद्र चेनानी द्वारा संस्कार कार्यक्रम के बारे में बताया गया एवं सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यालय डायरेक्टर विजय जिंदल, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज चेनानी, सचिव सुरेंद्र चेनानी, कार्यक्रम प्रभारी मंजू गर्ग, शैली बंसल, विद्यालय प्रिंसिपल रीना चड्ढा, संतोष बंसल, प्रचार प्रभारी गुलशन शर्मा, अंश सिंह, दीपक कपूर, पूजा गोयल, सुनीता गोयल, मोनिका बंसल, सुमन जिंदल, माया गर्ग, मीना झूंथरा, अलका जैन, परम शर्मा ,पिंकी कपूर आदि सदस्य एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शानदार एवं सफल संचालन मंजू गर्ग एवं गुलशन शर्मा ने किया।सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जन सेवा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर विभिन्न स्कूलों एवं विभिन्न स्थानों पर संस्कार जागृति के कार्यक्रम करवाए जाते हैं।

# श्री सिद्ध हनुमान मंदिर का वार्षिक धर्मोत्सव आरंभ

जनमार्ग न्यूज

**श्रीगंगानगर।** स्थानीय नई धान मंडी में स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर का 38 वां वार्षिक धर्मोत्सव कल रविवार से बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।धर्मोत्सव 10 फरवरी तक चलेगा। धर्मोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। मंदिर प्रबंध समिति के संचालक रामगोपाल पांडूसरिया ने बताया कि 2 से 10 फरवरी तक आयोजित 38 वें वार्षिक धर्मोत्सव के तहत प्रतिदिन संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा, विष्णु सहस्त्रनाम, गोपाल सहस्त्रनाम, रुद्राभिषेक,महामृत्युंजय जाप, राम रक्षा स्तोत्र, दुर्गा चालीसा, दुर्गा सप्तशती पाठ,108 हनुमान चालीसा, 108 हनुमानाष्टक,बजरंग बाण, मूल भागवत पाठ, 108 दुर्गा चालीसा, राम नाम जाप, अखंड न्हान परायण,भंडारा और संगीतमयी सुंदर पाठ आदि कार्यक्रम होंगे। कथा व्यास सतपाल पारासर 2 से 10 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6ः30 बजे तक संगीत में श्रीमद् भागवत कथा करेंगे।

मुख्य यजमान चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष इंजीनियर बंशीधर जिंदल होंगे। उन्होंने बताया कि धर्मोत्सव के दौरान प्रतिदिन शाम 7.15 से 8ः30 बजे तक संगीतमयी सुंदरकांड के पाठ किए जाएंगे। धर्मोत्सव का समापन 10 फरवरी को प्रातः 11ः15 बजे पूर्णाहुति यज्ञ से किया जाएगा। तत्पश्चात विशाल और अटूट भंडारा चलेगा। उन्होंने बताया कि आयोजन में पुरुषोत्तम अग्रवाल, सीए सुमित अग्रवाल, विजयसिंह शेखावत, टोनी अग्रवाल,संजय मूंदड़ा ओमप्रकाश महिपाल, भूपेंद्र जिंदल तथा पुजारी अरविंद पांडेय आदि गणमान्य लोगों द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने शहर की धर्म प्रेमी जनता से इन आयोजनों में शामिल होकर धर्म और पुण्य का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

जनमार्ग पढ़ें
ताजा खबरें
ज्यादा खबरें

# ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में पर्यावरण संरक्षण के तहत पौधारोपण

जनमार्ग न्यूज

**हनुमानगढ़।** ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरबीओ-5 के एजीएम धर्मवीर तंवर थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी निदेशक बिधु शंकर ने की। कार्यक्रम के तहत संस्थान प्रांगण में विभिन्न प्रकार के पौधे रोपे गए। अतिथियों ने स्वयं अपने हाथों से पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प दिलाया। इस दौरान पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण के महत्व पर भी जोर दिया गया। मुख्य अतिथि धर्मवीर तंवर ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। वे न केवल हमें प्राणवायु ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि धरती के तापमान को नियंत्रित रखने, वर्षा जल को संचित करने और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी को जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए, ताकि वह एक बड़े वृक्ष के रूप में विकसित हो सके। आरसेटी निदेशक बिधु शंकर ने कहा कि प्रशिक्षण संस्थान न केवल युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करता है, बल्कि उन्हें सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है। पर्यावरण संरक्षण एक ऐसा विषय है, जिसमें सभी की भागीदारी आवश्यक है। यदि हर व्यक्ति पौधारोपण को अपनी जिम्मेदारी समझे और एक पेड़ को अपने परिवार के सदस्य की तरह देखभाल करे, तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखना आसान हो जाएगा। कार्यक्रम में प्रशिक्षकों व प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ संस्थान के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

# ‘पहले खुद को जरा बदल के आ, इश्क के दर पे फिर मचल के आ’

## ‘लेखक से मिलिए’ की 125वीं कड़ी में जमा शायरी का रंग

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** वरिष्ठ शायर सय्यद जिया अल्वी (खैराबाद, लखनऊ) ने कहा है कि शायरी किसी फरिश्ते की तरह है, जो ऊपर से आपके भीतर उतरती है। यह आपको दुनिया से अलग कुछ कहने का, करने का सलीका देती है। वे रविवार को सृजन सेवा संस्थान के मासिक कार्यक्रम ‘लेखक से मिलिए’ की 125वीं कड़ी में जवाहरनगर स्थित महाराजा अग्रसेन विद्या मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमतौर पर हम शायरों की कद्र उनके जीवनकाल में नहीं कर पाते। परंतु उनके जाने के बाद महसूस करते हैं कि वे हमारे लिए क्या कुछ कर गए हैं। मिर्जा गालिब से लेकर प्रेमचंद तक अदब के लोगों का जीवन बेहद संघर्षपूर्ण था। परंतु उनके जाने के बाद दुनिया ने उनकी रचनाओं को सिर-आंखों पर लिया। कार्यक्रम में जिया अल्वी ने अपनी नई-पुरानी अनेक लें प्रस्तुत कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके एक-एक शे’र पर श्रोताओं की खूब दाद मिली। उन्होंने आज की पीढ़ी से मुखातिब होकर कहा, ‘‘पहले खुद को जरा बदल के आ, इश्क के दर पे फिर मचल के आ।’’ जिया अल्वी ने तरन्नुम में लें पड़ी और प्रभावित किया। उन्होंने कहा, ‘‘दर्द थमता नहीं, इश्क छुपता नहीं, ये कहाँ आप लेकर चले आए हैं, झूमता है झलक, नाचती है जमीं, ये कहाँ आप लेकर चले आए हैं।’’ विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. विजय सेतिया ने इस क्षेत्र में शे’रो-शायरी की निरंतर गतिविधियां होने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इससे यहां के लोगों को बहुत लाभ हो रहा है और शहर में साहित्यिक वातावरण का निर्माण हो रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस उप अधीक्षक वेदप्रकाश लखोटिया ने कहा कि निसंदेह सृजन टीम ने जुनून की तरह निरंतर कार्यक्रम करके क्षेत्र को साहित्य की दुनिया में पहचान दिलाने का काम किया है। यह और समृद्ध होगी, ऐसी उम्मीद की जा सकती है। प्रश्नोत्तरी सत्र में द्वारकाप्रसाद नागपाल, विनोद गुप्ता, राजेंद्र सोनी, मीनाक्षी आहुजा सहित अनेक लोगों ने उनसे कुछ सवाल किए और जिया अल्वी ने उनके जवाब भी बड़ी सहजता से दिए। इससे पहले, ऋतुसिंह ‘रिदा’ ने जिया अल्वी का परिचय दिया। सचिव कृष्णकुमार आशु ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। आभार अध्यक्ष डॉ. अरुण शहैरिया ‘ताइर’ ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्यकार, साहित्य प्रेमी एवं शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

### जिया अल्वी को सृजन साहित्य सम्मान

इस मौके पर सय्यद जिया अल्वी को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए सृजन साहित्य सम्मान अर्पित किया गया। लखोटिया, डॉ. सेतिया एवं महाराजा अग्रसेन विद्या मंदिर स्कूल के निदेशक विनोद गुप्ता ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर, सम्मान प्रतीक एवं साहित्य भेंट करके सम्मानित किया। महाराजा अग्रसेन विद्या मंदिर समिति की ओर से भी जिया अल्वी का सम्मान किया गया।

# नोजगे की नंदिनी व कबीर ने जीते पदक

- पंचायती धर्मशाला में हुई शतरंज प्रतियोगिता

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** स. अमरसिंह सरोज विद्यार्थी सहायता समिति द्वारा चैस (शतरंज) प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में ज़िलेभर से दर्जनों विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में नोज़गे पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने पदक, प्रशस्ति पत्र व प्रोत्साहन राशि जीती। कोच नंदकिशोर ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन एक व दो फ़रवरी पंचायती धर्मशाला श्रीगंगानगर में किया गया। इस मौक़े पर सीनियर, जूनियर अंदर 10 व 14 वर्ग की प्रतियोगिताएं हुई। इस प्रतियोगिता में नोज़गे स्कूल की। कक्षा चार (जी) की नंदिनी सिंह ने स्वर्ण पदक व प्रोत्साहन राशि जीती। इसके अलावा कक्षा चार (जी) के कबीर नैन ने सिल्वर मेडल व नक़द राशि जीती। इन विजेता विद्यार्थियों को स्कूल मैनेजमेंट, स्टाफ़ व अभिभावकों ने बधाई दी है। वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व ये खिलाड़ी पदक जीत चुके हैं।

JANMARG news
Janmarg News Youtube Channel
जनमार्ग

# कोहरे के साथ गिर रही ओस की बूंदें

**जनमार्ग न्यूज**

**हनुमानगढ़।** हनुमानगढ़ जिले में पिछले पांच दिनों से छाए कोहरे और धुंध ने जनजीवन को प्रभावित किया है। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से वाहनों की गति धीमी पड़ गई है, जबकि आम लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ रहा है। यह मौसम किसानों के लिए वरदान साबित हो रहा है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धुंध और ओस की बूंदों से गेहूं, जौ और सरसों की फसलों को विशेष लाभ मिल रहा है। फरवरी में बढ़ी सर्दी ने फसलों को नई जान दी है, जो पहले तेज धूप के कारण कमजोर पड़ रही थी। विशेषकर बारानी क्षेत्रों में सरसों और चने की फसल में अच्छी पैदावार की उम्मीद है। मौसम विभाग ने 3 फरवरी से मौसम में बदलाव की भविष्यवाणी की है।

# जलालाबाद में पुलिस-एक्साइज टीम की रेड

- दही के डिब्बों और जमीन में छिपाकर रखा था लाहन

**जनमार्ग न्यूज**

**फाजिल्का।** फाजिल्का के जलालाबाद में पुलिस और एक्साइज विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के खिलाफ कई गांवों में छापेमारी की। इस दौरान अधिकारियों को करीब 11 हजार लीटर अवैध देसी शराब बरामद की, जिसे तुरंत नष्ट कर दिया गया। टीम ने जलालाबाद क्षेत्र के गांव महालम, पालीवाला सहित कई इलाकों में छापेमारी की। अवैध शराब निर्माताओं ने बड़ी चतुराई से लाहन को छिपाया था। कहीं दही के डिब्बों में, कहीं पराली के नीचे, तो कहीं जमीन के अंदर ड्रम में भरकर रखा गया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने शराब निर्माण में प्रयोग की जाने वाली सामग्री भी जब्त की, जिसमें टंकियां, ड्रम और चालू भट्ठियां शामिल हैं। यह कार्रवाई नशे के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

# टीचर का रिश्तेदार निकला लुटेरा

**अबोहर (जनमार्ग न्यूज)।** पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कॉलेज टीचर के घर हुई लूट का मास्टरमाइंड उसका अपना रिश्तेदार निकला। पुलिस ने महज 24 घंटों में मामले का खुलासा करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। घटना 31 जनवरी की है, जब भाग सिंह खालसा कॉलेज में कार्यरत टीचर ज्योति चुघ दोपहर साढ़े तीन बजे अपने जैन नगरी स्थित घर पहुंची। इसी दौरान दो युवक जबरन घर में घुस गए और दरवाजा अंदर से बंद कर दिया। आरोपियों ने पीड़िता को चाकू दिखाकर धमकाया और बेहोश करने वाली दवा सुंघाकर उसे काबू में कर लिया। इसके बाद घर से लगभग 15-20 तोला सोना और साढ़े तीन लाख रुपए की नकदी लूटकर फरार हो गए।

# फर्जी बीएसएफ अधिकारी बनकर डॉक्टर से ठगे 50 हजार

**चूरू (जनमार्ग न्यूज)।** चूरू में साइबर अपराधियों ने एक नए तरीके से डॉक्टर को अपना शिकार बनाया। नया बास के निवासी डॉ. एमएल श्यामसुखा को एक व्यक्ति ने खुद को बीएसएफ अधिकारी बताते हुए फोन किया। उसने कहा कि बीएसएफ में नई भर्तियां हो रही हैं और करीब 250 जवानों का मेडिकल टेस्ट कराना है। ठग ने डॉक्टर से मेडिकल टेस्ट की फीस के बारे में पूछा और फिर अग्रिम भुगतान के लिए एक लिंक भेजा। डॉक्टर के लिंक पर जानकारी भरते ही उनके बैंक खाते से 50 हजार रुपए निकल गए। पीड़ित डॉक्टर ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस अधीक्षक से भी मुलाकात की है। यह मामला साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों का एक उदाहरण है, जिसमें वे सरकारी अधिकारी बनकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। पुलिस ने लोगों से अनजान व्यक्तियों द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक न करने और किसी भी तरह की वित्तीय जानकारी साझा न करने की अपील की है।

# दो कॉन्स्टेबल के सहारे चल रही बांडा पुलिस चौकी

- अनूपगढ़ पुलिस थाने में 43 पद रिक्त

**जनमार्ग न्यूज**

**अनूपगढ़।** अनूपगढ़ पुलिस थाने में पुलिस कर्मियों के 41 पद रिक्त है। अनूपगढ़ पुलिस थाने में कुल 75 पद स्वीकृत है, जिनमें से अब 43 पद रिक्त हो गए हैं। जिस कारण पुलिस कर्मियों को अपने निर्धारित समय से अधिक समय में ड्यूटी तो करनी ही पड़ रही है। अनूपगढ़ पुलिस थाने में पुलिस निरीक्षक का एक पद स्वीकृत है, जिस पर थाना अधिकारी मौजूद हैं। इसके अलावा एसआई के स्वीकृत दो पदों में से एक पद रिक्त हैं। सहायक उप निरीक्षक के अनूपगढ़ थाने में 15 पद स्वीकृत है जिन में से 14 पद रिक्त पड़े हुए हैं। हेड कॉन्स्टेबल के 8 बजे में से 6, कॉन्स्टेबल के 30 में से 6 और कॉन्स्टेबल ड्राइवर के 7 में से 6 पद खाली है। थाने में एसआई और एएसआई के पद खाली होने की वजह से निरंतर कार्रवाइयों में कमी आती जा रही है तथा जो पेंडिंग फाइलें के मामले भी समय पर नहीं सुलझाए जा पा रहे। इसके अलावा बांडा कॉलोनी चौकी में एसआई का एक पद स्वीकृत है जो कि रिक्त पड़ा हुआ है। वहीं सहायक निरीक्षक का एक स्वीकृत पद खाली है। हेड कॉन्स्टेबल के स्वीकृत दोनों पद खाली पड़े हैं। कॉन्स्टेबल के स्वीकृत 8 पदों में से 6 पद रिक्त हैं।

# जिंदा जलने से डॉक्टर की दर्दनाक मौत

**जनमार्ग न्यूज**

**जालोर।** राजस्थान के जालोर से दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां उम्मेदाबाद आयुर्वेद अस्पताल के डॉक्टर की जिंदा जलने से मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलने पर उम्मेदाबाद पुलिस चौकी से टीम पहुंची। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। जालोर पुलिस ने बताया कि जिंदा जलने से आयर्वेद चिकित्सक मुरारीलाल मीणा की मौत हो गई है। घटना सरकारी आवास की है, जहां आयर्वेद चिकित्सक रह रहे थे। पुलिस का कहना है कि घर से धुंआ निकलते देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना दी। इसके बाद जब पुलिस मौके पहुंची तो आयर्वेद चिकित्सक मुरारीलाल मीणा का जला हुआ शव बिस्तर पर पड़ा था। पुलिस ने बताया कि आयर्वेद चिकित्सक मूलतः जयपुर निवासी हैं। पुलिस आग लगने के कारणों को तलाश कर रही है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। इस दौरान एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। आपको बता दें कि आग के चलते मृतक का लगभग आधा शरीर जलकर राख हो गया था। केवल सिर-पैर के हिस्से ही बचे थे। पुलिस का कहना है कि मृतक पिछले 4 साल से यहां कार्यरत थे। वे अस्पताल परिसर में बने सरकारी आवास में परिवार के साथ रह रहे थे।

# नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत घमंडिया में हुआ कार्यक्रम

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के अंतर्गत नशे के खिलाफ विकास बाल भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय घमंडिया में नाटक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और नशामुक्त समाज की शपथ ली। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से विक्रम ज्याणी ने बताया कि जिला प्रशासन एवं जिला पुलिस श्रीगंगानगर के संयुक्त तत्वावधान में जिला कलक्टर डॉ. मंजू और जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव के नेतृत्व में इस अभियान के तहत नाटक मंचित किया गया। नाटक ‘अर्थियां उठाने से अच्छा है जिम्मेदारियां उठाए‘ ने उपस्थित जनसमूह की आत्मा को झकझोर कर रख दिया। सहीराम, लक्ष्या ज्याणी और विक्रम ज्याणी के मार्मिक अभिनय ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं, जब उन्होंने नशे की लत के कारण उजड़ते परिवारों की दर्दनाक सच्चाई को करीब से महसूस किया। नाटक में यह स्पष्ट रूप से दिखाया गया कि कैसे नशे की गिरफ्त में फंसकर युवा अपने जीवन को तबाह कर रहे हैं और उनके माता-पिता मजबूर होकर अपने ही बच्चों को खोने का दर्द सह रहे हैं। उपस्थित सभी ग्रामवासियों ने इस जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। नशा केवल एक व्यक्ति की जिंदगी नहीं बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। इसलिए यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने घर-परिवार और आसपास के लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।

# बस कंडक्टर की पत्नी-बेटी और दोहिती का अपहरण

- किडनैपर ने मांगी 10 लाख रुपए की फिरौती

**जनमार्ग न्यूज**

**चूरू।** चूरू के पड़िहारा में बस कंडक्टर की पत्नी, बेटी और तीन साल की दोहिती 11 नवंबर से लापता हैं। अपहरणकर्ताओं ने परिवार से 10 लाख रुपए की फिरौती की मांग की है। पड़िहारा के वार्ड 19 निवासी नंदलाल की पत्नी अंजली (42), बेटी ज्योति (23) और दोहिती किरण (03) घर से बिना बताए चली गई। नंदलाल को बस स्टैंड पर परिवार के लोगों ने बताया कि वे किरण को अस्पताल ले जा रहे हैं। शाम को जब वह घर लौटा तो तीनों गायब थे। इतना ही नहीं घर से 3.5 लाख रुपए नकद और सोने-चांदी के गहने भी गायब मिले। मामले में नया मोड़ तब आया जब नंदलाल के मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को उत्तर प्रदेश के मथुरा का राहुल बताया और परिवार को सुरक्षित छोड़ने के लिए 10 लाख रुपए की मांग की। रुपए नहीं देने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पीड़ित ने पहले रतनगढ़ थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिलने पर अब वह अपने दामाद के साथ चूरू एसपी कार्यालय पहुंचा। उसने पुलिस अधीक्षक से अपने परिवार को सुरक्षित बरामद करने की गुहार लगाई है।

# अनूपगढ़ में विद्यार्थियों ने किया सूर्य नमस्कार

- डीईओ ने बताए स्वास्थ्य लाभ, शाला दर्पण और पीएसपी पोर्टल से हुई मॉनिटरिंग

**जनमार्ग न्यूज**

**अनूपगढ़।** अनूपगढ़ में सूर्य सप्तमी के पूर्व दिवस पर सोमवार को शिक्षा विभाग के निर्देश पर सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों में सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) जितेंद्र कुमार बठला, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) पंकज जांगिड़, अभिभावक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सरकारी मॉडल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में डीईओ बठला ने सूर्य नमस्कार के महत्वपूर्ण लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सूर्य नमस्कार एक पूर्ण आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसमें आसन, प्राणायाम, मंत्र और ज्ञान की तकनीकें समाहित हैं। यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक सतर्कता और भावनात्मक संतुलन में भी सहायक है। विशेष रूप से यह शरीर की अंतःस्रावी, प्रजनन, परिसंचरण, श्वसन और पाचन प्रणालियों को सक्रिय करता है। सीबीईओ जांगिड़ ने बच्चों के विकास में सूर्य नमस्कार की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि यह बचपन और किशोरावस्था के बीच के संक्रमण काल को सुचारू बनाने में मदद करता है। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक दयाराम जाखड़ ने बच्चों को सूर्य नमस्कार का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे कार्यक्रम की जानकारी सरकारी स्कूलों के लिए शाला दर्पण पोर्टल और निजी स्कूलों के लिए पीएसपी पोर्टल पर अपलोड करें।

# पंचायती धर्मशाला में शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन

**जनमार्ग न्यूज**

**श्रीगंगानगर।** गंगासिंह चैस ऐशोसिएशन द्वारा पंचायती धर्मशाला में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता में सीनियर चैम्पियन अमना बलाना बने, जूनीयिर चैम्पियन रूद्रमणी, अन्डर 14 चैम्पीयन ओजस टांटिया, अडर टैन चैम्पियन अर्पित गेदर व गर्ल्स चैम्पियन नव्या वर्मा व 21000 के नगद इनाम अवतार सिंह मल्होत्रा व अमरजीत सिडाना व आरबीटर संजीव भारद्वाज ने दिये व सभी खेलने वालों को सर्टीफिकेट व रजिस्टर और पैन वितरित किये गये। सीनीयर में द्वितीय दिल्ली के हर्ष कुमार व तृतीय पंजाब के गौरव गगनेजा रहे। जूनीयर में द्वितीय सार्थक पेड़ीवाल तृतीय शिवा भसीन रहे। अंडर 14 में द्वितीय दिलशान सिंह व तृतीय बीकानेर के हर्षित यादव रहे। अन्डर टैन में द्वितीय कबीर नैण व तृतीय शौर्य टांटिया रहे। महिला वर्ग में द्वितीय नन्दनी राजपूत व तृतीय रायसिंहनगर की रिद्धिमा बिश्नोई रही। प्रतियोगिता में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, बीकानेर, जयपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, चुरू, सूरतगढ़, करणपुर, रायसिंहनगर, बिजयनगर, पदमपुर, अबोहर, फिरोजपुर के लगभग 74 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692